हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 117, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 26 अक्टूबर, 2023 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

किसी के साथ न होने देंगे अन्याय

खुशहाली को संकल्पित सरकार

सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, जन समस्याओं के निस्तारण को दी प्राथमिकता

गोरखपुर। लगातार तीन दिन आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में अति व्यस्तता के बाद आराम करने की बजाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में सीएम योगी ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

बिहार : मेले से लौट रहे युवक की बीच सड़क हत्या

घोड़ासहन (पूर्वी चंपारण)। घोड़ासहन थाना क्षेत्र के बलान-गुरमिया मार्ग स्थित नासी पुल के पास मंगलवार की रात बाइक छीनने का विरोध करने पर बदमाशों ने एक युवक को मां और बहन के सामने ही गोली मार दी। अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, घोड़ासहन के महदेवा निवासी विदेशी महतो का बड़ा पुत्र सुशील कुमार (20) मां रंभा देवी और छोटी बहन सोनी कुमारी के साथ मेला देखकर बाइक से ननिहाल नोनौरा बाजार से घर लौट रहा था। घोड़ासहन-ढाका बलान से गुरमिया की ओर जानेवाली सड़क में नासी पुल के निकट चार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। वे पैदल ही थे। बाइक लूटने के दौरान चाबी छीनने का विरोध करने पर सुशील को गोली मार दी। मेले से लौट रहे कुछ लोगों को देख बदमाश बाइक छोड़ भाग निकले। लोगों के सहयोग से अस्पताल ले जाने के दौरान सुशील की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे सिकरहना के पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार ने जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टीम बनाकर बदमाशों की खोज में छापेमारी की जा रही है। सुशील भेलवा में इलेक्ट्रानिक उपकरणों की दुकान चलाता था। पिता मजदूरी करते हैं। दो वर्ष पहले ही सुशील की शादी हुई थी।

राजनाथ सिंह की चीन सीमा पर हुंकार

कहा- देश में ही बनेंगे सभी प्रमुख हथियार

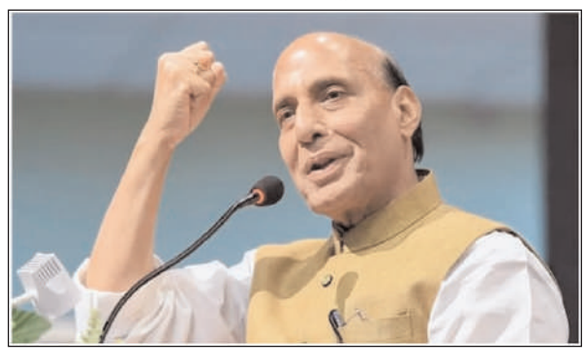

गुवाहाटी/तवांग। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार सुनिश्चित कर रही है कि सभी प्रमुख हथियार और प्लेटफॉर्म भारत में ही बनें। रक्षा मंत्री दशहरे के मौके पर अरुणाचल प्रदेश के तवांग में शस्त्र पूजन करने के बाद सेना के जवानों को संबोधित कर रहे थे। चीन से लंबे समय से जारी गतिरोध के बीच राजनाथ ने तवांग में अग्रिम चौकियों का दौरा किया। सैनिकों से बातचीत के दौरान राजनाथ ने उनकी अडिग भावना, अटूट प्रतिबद्धता और अद्वितीय साहस के प्रति आभार जताया, जो कठिन परिस्थितियों में सीमाओं पर तैनात हैं और हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि देश और उसके नागरिक सुरक्षित रहें।

उन्होंने कहा, पूरे देश को सशस्त्र बलों पर गर्व है और वह उनके साथ खड़ा है। राजनाथ ने सशस्त्र बलों के जवानों की धार्मिकता और धर्म को विजयदशमी के त्योहार के लोकाचार का जीवित प्रमाण बताया। इससे पहले, सोमवार शाम को रक्षा मंत्री ने असम के तेजपुर में 4 कोर मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने फॉर्मेशन की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की, जो देश के एकदम पूर्वी हिस्सों में से एक में तैनात है। रक्षा मंत्री को एलएसी पर बुनियादी ढांचे के विकास और अग्रिम पंक्ति में तैनात सैनिकों की परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों और प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा मंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों की वीरता और प्रतिबद्धता की वजह से भी भारत का कद अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ा है और वह सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है।

रक्षा मंत्री ने तवांग युद्ध स्मारक का भी दौरा किया, जहां उन्होंने 1962 के युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे भी थे। जवानों से बातचीत के दौरान अपने हालिया इटली दौरे का हवाला देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने मोंटोन स्मारक (पेरुगिया प्रांत) का दौरा किया, जिसे नाइक यशवंत घाडगे और अन्य भारतीय सैनिकों के योगदान की स्मृति में बनाया गया है। वे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मोंटोन को मुक्त कराने के इतालवी अभियान में शामिल थे। उन्होंने कहा कि न केवल भारतीय, बल्कि इतालवी भी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने आते हैं, जो इसका प्रमाण है कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी का लोहा दुनिया भी मानती है। रक्षा उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से देश की सैन्य शक्ति मजबूत करने के प्रयासों को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी प्रगति हुई है। पहले हम अपनी सेना को उन्नत करने के लिए आयात पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों का निर्माण देश के भीतर ही किया जा रहा है।

दुनिया में शांति कायम करने के लिए भारत की संस्कृति अपनाने की जरूरत : संघ प्रमुख

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, निरंतर संघर्ष और हिंसा का सामना कर रही दुनिया के सामने शांति की स्थापना के लिए भारत की संस्कृति को अपनाना ही अंतिम विकल्प है। भारतीय संस्कृति ही दुनिया में खोए संतुलन को वापस ला सकती है। यह इसलिए कि अनुभव से निर्मित हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र देती है। हमारी संस्कृति अनेकता को समस्या नहीं मानती, बल्कि इसका श्रृंगार करती है, जो मानती है कि हम सभी एक दुनिया से निकले हैं। नागपुर में दशहरा रैली में शांति स्थापित करने के लिए दुनिया में हुए कई प्रयोगों का हवाला देते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि समाजवाद, पूंजीवाद अपनाने के बावजूद संघर्ष नहीं रुके। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया इस्राइल के युद्ध का सामना कर रही है। यह सुख के लिए साधनों पर कब्जा करने से उत्पन्न समस्या है। इस समस्या का हल पूंजीवाद, समाजवाद में नहीं है। सही मायने में दुनिया में शांति की स्थापना भारतीय संस्कृति से ही संभव होगी। भागवत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में करुणा, तपस्या, सत्य और शुचिता धर्म की चौखट हैं। यह संस्कृति थ्योरी पर आधारित न होकर पूर्वजों के अनुभव से निर्मित हुई है। इसी अनुभव पर आधारित संस्कृति ने इन चार मूल्यों को हमारी आदत में शामिल किया है। यह स्वार्थ, काम, क्रोध, मोह से दूर रहने और अपने सुख से दूसरों का दुख दूर करने की शिक्षा देता है। यह मानवजाति पर नियंत्रण की बात नहीं करता। संघ प्रमुख ने इस दौरान पर्यावरण बचाने, फिजूलखर्ची रोकने और स्वदेशी अपनाने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाएंगे तो देश का पैसा देश में रहेगा। रोजगार बढ़ेंगे और देश सशक्त होगा। उन्होंने पर्यावरण की रक्षा के लिए सरकार के साथ ही समाज से भी आगे आने की अपील की। संघ प्रमुख ने मार्क्सवादियों पर हमला बोलते हुए इन्हें समाजविरोधी तत्व करार दिया। उन्होंने कहा, खुद को सांस्कृतिक मार्क्सवादी और जागृत बताने वाले इन तत्वों ने मार्क्स को 1920 में ही भुला दिया।

केंद्रीय मंत्री ने नरसिंहपुर से दाखिल किया नामांकन, शिवराज बोले- प्रह्लाद पटेल रचेंगे इतिहास

नरसिंहपुर (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश में इस साल नवंबर में विधान सभा चुनाव होने हैं। जिसे लेकर सभी पार्टियां जोरों शोरों से तैयारियां कर रही हैं। इस बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुझे संतुष्टि है कि प्रह्लाद पटेल नरसिंहपुर से विधान सभा चुनाव लड़ रहे हैं। मुझे खुशी और गर्व है...मैं इस अवसर पर यहां हूं जब वह नामांकन दाखिल करेंगे... मुझे विश्वास है कि इस नई भूमिका में प्रह्लाद पटेल इतिहास रचेंगे। बता दें कि राज्य मंत्री और भाजपा नेता प्रह्लाद सिंह पटेल ने नरसिंहपुर जिले से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। नरसिंहपुर विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल करने के बाद केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि विकास का मतलब है वो सभी सुविधाएं जो सबसे ऊपर मानी जाती हैं, आम लोगों को बिना मांगे उपलब्ध हों। ये काम मोदी सरकार ने किया है।

सांसद बृजभूषण का फर्जी लेटर पैड का किया गया इस्तेमाल

लखनऊ। गोंडा में दलित बुजुर्ग की हत्या के मामले की विवेचना 14 बार बदलने के मामले में नया खुलासा हुआ है। कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि जांच बदलवाने के लिए उनके फर्जी लेटर पैड का इस्तेमाल किया गया था। भाजपा सांसद ने प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में कहा कि इस मामले की विवेचना स्थानांतरित करने के संबंध में वर्ष 2017 में मेरा एक फर्जी पत्र आपको प्रेषित किया गया है। इस पत्र पर मेरे हस्ताक्षर पूरी तरह से फर्जी हैं। किसी व्यक्ति द्वारा फोटोस्टेट कराकर मेरे हस्ताक्षर का दुरुपयोग किया गया है। कॉपी-पेस्ट करके इस पत्र को जालसाजी कर बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि विवेचना स्थानांतरित करने के लिए उन्होंने प्रमुख सचिव को कोई पत्र नहीं भेजा था। उन्होंने इस मामले में आगे कार्रवाई करने का अनुरोध भी किया है। वहीं इस मामले में गोंडा के कुछ अन्य राजनेताओं की भूमिका भी सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक कई स्थानीय नेताओं ने आरोपियों की पैरवी करते हुए विवेचना को स्थानांतरित करने का पत्र लिखा था। वर्ष 2017 में गोंडा के एसपी रहे उमेश सिंह ने बताया

कि उन्होंने राजनेताओं की सिफारिश के साथ आरोपियों के अनुरोध पर विवेचना को बार-बार स्थानांतरित करने का विरोध किया था। नियमों के मुताबिक केवल वादी पक्ष के अनुरोध पर ही विवेचना को स्थानांतरित किया जा सकता है, जिसके बारे में उन्होंने उच्चाधिकारियों को अवगत भी कराया था।

अमृतपाल सिंह के पिता को सुरक्षा एजेंसियों ने एयरपोर्ट पर रोका, पूछताछ के बाद घर वापस भेजा

अमृतसर। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह को बुधवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने रोक दिया। वह कतर की राजधानी दोहा जाने वाले थे। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें जाने नहीं दिया। जानकारी के मुताबिक सुरक्षा अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर तरसेम सिंह से पूछताछ की और इसके बाद उन्हें घर वापस भेज दिया। तरसेम सिंह बुधवार की सुबह अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। इससे पहले अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर को दिल्ली और अमृतसर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तीन बार विदेश जाने से रोका जा चुका है। किरणदीप कौर ब्रिटिश नागरिक हैं। अमृतसर के अजनाला थाने पर हमले के बाद पंजाब पुलिस ने अमृतपाल के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया था। वहीं कई दिनों की तलाश के बाद पुलिस ने अमृतपाल को गिरफ्तार किया था। अमृतपाल के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की गई है। वह इस समय असम की डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में बंद है। अमृतपाल सिंह ने लूटपाट व अपहरण के आरोपी अपने साथी मंदीप सिंह उर्फ तूफान को छुड़ाने के लिए इसी साल फरवरी में अजनाला थाने पर हमला किया था। अमृतपाल

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की आड़ में हजारों समर्थकों के साथ अपने गांव जल्लूखेड़ा से पहुंच थाने पर हमला किया था। इस हमले में एसपी जुगराज सिंह समेत छह पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अमृतपाल सिंह के खिलाफ बाबा बकाला थाने में हथियार रखने के आरोप में केस दर्ज है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर आनंदपुर खालसा फोर्स बनाई थी।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

श्रद्धांजलि सभा

मान्यवर,

अत्यन्त दुःख के सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे बड़े भाई शिवशंकर सिंह जी का स्वर्गवास दिनांक - 14 अक्टूबर 2023 दिन शनिवार को हो गया है। जिनका दशवां घाट (शुद्धक) दिनांक 23 अक्टूबर 2023 दिन सोमवार एवं त्रयोदशः संस्कार (तेरहवीं) दिनांक - 26 अक्टूबर 2023 दिन गुरुवार को दोपहर में होना सुनिश्चित हुआ है।

अतः आप से निवेदन है कि उक्त कार्यक्रम (तेरहवीं) में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान कर हमें कृतार्थ करें।

स्थान : रानीचौक कौशिक सदन, सैदपुर-गाजीपुर

शोकाकुल

डॉ. कैलाश सिंह, अनिल सिंह (मेघु सिंह), रासबिहारी सिंह (डी.आई.जी), राजन सिंह, राकेश सिंह, डॉ. मुकेश सिंह, पंकज सिंह 'चंचल' एवं समस्त शोकाकुल परिवार

भवदीय

रमाशंकर सिंह (काटु सिंह)
पूर्व ब्लॉक प्रमुख
मो.- 8726007777,
9984600000, 9648599998

संपादकीय

टिकट बंटवारे का सवाल

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण को लेकर बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियों में असंतुष्टों के विरोध प्रदर्शन की खबरें नेतृत्व के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। लेकिन यह किसी खास राज्य या चुनाव तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में मध्य प्रदेश कांग्रेस की ही एक बैठक के दौरान दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच हुई एक मजाकिया नोकझोंक का विडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों इस बात पर बहस कर रहे थे कि टिकट बंटवारे से नाराज कार्यकताओं को किसके कपड़े फाड़ने चाहिए। इस विडियो को कांग्रेस नेताओं के बीच आपसी सद्भाव के सबूत के रूप में पेश किया गया था, लेकिन वह इस बात का भी प्रमाण था कि भारतीय राजनीति में टिकट बंटवारे से पार्टी में उपजने वाले असंतोष को कितना सहज और सामान्य मान लिया गया है। वैसे देखा जाए तो एक स्तर पर यह तमाम दलों में बढ़ते अति केंद्रीकरण का भी सबूत है। राष्ट्रीय ही नहीं, तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह प्रवृत्ति दिखती है, जिसे नेतृत्व की मजबूती के रूप में पेश किया जाता है। हालांकि कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक दलों में नेताओं और कार्यकताओं की बदलती निष्ठा की समस्या से जोड़कर देखते हैं और नेतृत्व की ओर से किए जाने वाले रिस्क घटाने के प्रयासों का हिस्सा मानते हैं। पार्टी की ओर से आर्थिक और अन्य फायदों का केंद्रीकृत बंटवारा भी इसमें शामिल है। आखिरकार इन सबका मकसद पार्टी पर किसी खास नेता या गुट या परिवार का नियंत्रण बनाए रखना ही होता है। इसीलिए यह प्रवृत्ति न केवल पार्टी के दूरगामी हितों के खिलाफ है बल्कि लोकतंत्र की सेहत के लिए भी नुकसानदेह साबित होती है। इसके बचाव में दलीलें चाहे जो भी दी जाएं इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह पार्टी नेतृत्व और स्थानीय पार्टी काडर के बीच बढ़ती खाई का संकेत है। ध्यान रहे, किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्यपालिका और आम नागरिकों के बीच पुल का काम यह स्थानीय पार्टी काडर ही करता है। जाहिर है, इसका पार्टी नेतृत्व से जुड़ाव कम होना या टूटना लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की जनता के प्रति जवाबदेही को कमजोर करता है। यही वजह है कि अन्य देशों में लोकल पार्टी कार्यकताओं की भूमिका बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी पिछले दो दशकों से प्राइमरीज के जरिए प्रत्याशियों का चयन करने पर जोर दे रही है, जिसमें वोटर भी शामिल होते हैं। 2019 के चुनाव में तो उसने प्रत्याशियों की सूची अंतिम मंजूरी के लिए लोकल यूनिटों के पास भेज दी थी। अन्य देशों में ऐसे और भी प्रयोग गौर करने लायक हैं। हालांकि इन तमाम प्रयोगों के अपने फायदे और नुकसान हैं। इसलिए इन्हें ज्यों का त्यों अपना लेने की वकालत नहीं की जा सकती, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि अति केंद्रीकरण की प्रवृत्ति से बचने का सचेत प्रयास अपने देश में भी होना चाहिए।

तबियत दो सुधार !

मिल जाए जो दोषी ।
तबियत दो सुधार ।।
ज़िम्मेदार जो भी हैं ।
हो सही उपचार ।।
बार बार घटनाएं ।
होतीं इस प्रकार ।।
कर सकते अब कैसे ?
हम इसको स्वीकार ।।
ना लगती लगाम ।
है गलत संदेश ।।
त्वरित होना चाहिए ।
उपाय कुछ विशेष ।।
ना दिखता प्रभाव पर ।
कब तक चलने वाला ?
है रहती उम्मीद ।
अपना जो रखवाला ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भारतीय सनातन संस्कृति का विस्तार भारतीय समाज ही कर सकता है

प्रह्लाद सबनानी

प्राचीनकाल में भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस खंडकाल में समस्त प्रकार की गतिविधियां चाहे वह सामाजिक क्षेत्र में हों, सांस्कृतिक क्षेत्र में हों, आर्थिक क्षेत्र में हों अथवा किसी भी अन्य क्षेत्र में हों वह भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए ही सम्पन्न की जाती थीं। समाज में किसी भी प्रकार के कर्म को धर्म से जोड़कर ही किया जाता था एवं अर्थ को भी धर्म से जोड़ दिया गया था। कर्म, अर्थ एवं धर्म मिलकर मानव को मोक्ष प्राप्त करने की ओर प्रेरित करते थे। सामान्यतः राष्ट्र के नागरिकों में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं के बराबर ही रहती थी और समस्त नागरिक आपस में मिलकर हंसी खुशी अपना जीवन यापन करते थे।

भारत के वेद एवं पुराणों में विभिन्न प्रकार की समस्याओं को हल करने के उपाय बताए गए हैं। विभिन्न युगों में अलग अलग शक्तियों को प्रधानता दी गई है, इन शक्तियों के माध्यम से ही विभिन्न समस्याओं पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

त्रेतायां मंत्र-शक्तिश्च, ज्ञान शक्तिः कृत्ते-युगे। द्वापरे युद्ध शक्तिश्च, संघेशक्ति कलौयुगे।।

सतयुग में ज्ञान शक्ति, त्रेता युग में मंत्र शक्ति, द्वापर युग में युद्ध शक्ति एवं कलयुग में संगठन शक्ति को प्रधानता दी गई है। परंतु, त्रेता युग में भी भगवान राम ने वानर सेना सहित समाज को संगठित करते हुए असुरी शक्तियों पर विजय प्राप्त करने में सफलता हासिल की थी एवं रावण का संहार किया था। द्वापर युग में भी महाभारत का युद्ध पांडवों ने संगठन भाव के कारण एक उद्देश्य को सामने रखकर जीता था। जबकि, कौरवों की सेना के महारथी अपने व्यक्तिगत संकल्पों, प्रतिज्ञा एवं प्रतिशोधों के लिए लड़े और युद्ध हारे थे। इसी प्रकार कलयुग में कालांतर में जब छोटे छोटे राज्य स्थापित होने लगे तब इन राज्यों के बीच आपस में संगठन का स्पष्ट तौर पर अभाव दृष्टिगोचर होने लगा और वे आपस में ही लड़ने लगे थे। संगठन का अभाव एवं सनातन संस्कृति के छूटने के कारण ही आक्रांता के रूप में मुगलों एवं अंग्रेजों को भारत के छोटे छोटे राज्यों पर अपना आधिपत्य स्थापित करने में कोई बहुत अधिक कठिनाई नहीं हुई थी।

कलियुग में हिंदू समाज में संगठन शक्ति के जागरण के उद्देश्य से वर्ष 1925 में विजय दशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने की थी। जो आज अपने 98 वर्ष पूर्ण कर एक विशाल वट वृक्ष के रूप में हमारे सामने खड़ा है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन माना जाता है। संघ का मुख्य कार्य स्वयंसेवकों में राष्ट्र भाव जागृत करना एवं समाज में सामाजिक समरसता स्थापित करना है। संघ द्वारा शाखाओं के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास किया जाता है। इन शाखाओं में स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज में जाकर सामाजिक समरसता का भाव विकसित करने का प्रयास करते हैं एवं देश के नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत करते हैं। इस प्रकार भारतीय समाज को संगठित करने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शाखाओं एवं स्वयंसेवकों के माध्यम से किया जा रहा है। भारतीय समाज की एकजुटता के कारण ही आज भारत में रामसेतु का विध्वंस रुक सका है, जम्मू एवं कश्मीर में लागू धारा 370 एवं धारा 35ए हटाई जा सकी है, 500 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद श्री राम का भव्य मंदिर अयोध्या में निर्मित हो रहा है, जिसका उद्घाटन जनवरी 2024 में पूज्य संत महात्माओं के साथ भारत के प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेंद मोदी जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न होना प्रस्तावित है। जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता आज भारत के पास है और भारत इस समूह के समस्त देशों को एकजुट बनाए रखने में सफल रहा है। भारत ने चन्द्रयान को चन्द्रमा के दक्षिणी भाग पर सफलता पूर्वक उतारने में सफलता हासिल की है एवं चन्द्रमा की सतह पर ह्वशिवशक्तिह्व को अंकित करने में भी सफलता पाई है। भारत आज अपनी सीमाओं की मजबूती के साथ सुरक्षा करने में सफल हो रहा है। खेलों के क्षेत्र में भी नित नए झंडे गाड़े जा रहे हैं, हाल ही में चीन में सम्पन्न हुई एशियाई खेल प्रतियोगिताओं में भारत ने 106 पदकों को हासिल कर एक रिकार्ड बनाया है।

इस प्रकार वर्तमान में वैश्विक स्तर पर भारत एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। विभिन्न क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व को राह दिखा रहा है। एक ओर तो रूस-यूक्रेन युद्ध एवं इजराईल-हमास युद्ध अपने चरम पर है एवं विश्व के विकसित देश कई प्रकार की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं एवं इन देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो चुका है वहीं दूसरी ओर भारत आर्थिक क्षेत्र में चंहुमुखी प्रगति कर रहा है एवं आज भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। भारत की यह प्रगति कई देशों को नहीं सुहा रही हैं एवं कुछ देश भारत के नागरिकों में आपसी फूट पैदा करने एवं भारत की कुटुंब व्यवस्था को छिन्न भिन्न करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि न केवल भारत की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित हो सके बल्कि भारत का सामाजिक ताना बाना भी छिन्न भिन्न किया जा सके। यह देश भारतीय सनातन संस्कृति, हिंदुत्व, भारत एवं संघ पर प्रहार कर रहे हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच भारतीय नागरिकों पर आज महत्ती जिम्मेदारी आ जाती है कि कुछ देशों के भारतीय समाज को बांटने के कुत्सित प्रयासों को विफल करें। भारतीय समाज आपस में सामाजिक समरसता का भाव विकसित करें एवं कोई भी कार्य करने के पहिले राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखें। आज की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारतीय समाज को आपस में एकता बनाए रखना भी अति आवश्यक है। सामाजिक बराईयों को दूर करने के प्रयास भी आज हम सभी को मिलकर करने चाहिए। भारतीय समाज को आज की विपरीत परिस्थितियों के बीच जागृत होना ही होगा। लगभग 10 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक ने कहा था कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नए मतदाताओं का शत प्रतिशत पंजीयन होना चाहिए, शत प्रतिशत मतदान होना चाहिए एवं समाज द्वारा राष्ट्रहित के मुद्दों पर मतदान करना चाहिए। आज इन समस्त बातों का ध्यान भारतीय समाज को रखना होगा। श्री यदुनाथ सरकार ने अपनी पुस्तक ह्वशिवाजी एंड हिज टाइमह्व में उल्लेख किया है कि प्रयाग में मुगलों ने एक अक्षय वट वृक्ष को काट कर उस पर एक बड़ा तवा इस उद्देश्य से रख दिया था कि अब वृक्ष चूंकि कट चुका है अतः स्वतः ही समाप्त हो जाएगा।

धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, विश्व का कल्याण हो

वैश्विक स्तरपर दुनियां में एक अकेला देश भारत है जहां आदि अनादि काल से हजारों वर्ष पूर्व के इतिहास और कथाओं से प्रेरित अनेक पर्वों को बड़ी शिद्दत धूमधाम और आस्था के साथ मनाए जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हर धर्म जाति और आस्था से जुड़े पर्व मनाया जाते हैं चाहे हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई या किसी भी धर्म जाति से संबंधित हो बहुत गर्व से आस्था के साथ मनाए जाते हैं। इसी कड़ी में मंगलवार दिनांक 24 अक्टूबर 2023 को अन्याय पर न्याय, अहंकार पर विनम्रता और क्रोध पर धैर्य की जीत का प्रतीक पर्व विजयादशमी उत्सव मनाया गया जो हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेशों में बड़ी धूमधाम से रावण का दहन कर मनाया गया इस अवसर पर उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे माननीयों द्वारा देशवासियों को पर्व का सशक्त संदेश दिया। अलग-अलग स्थानों पर एक्स मीडिया पर अपने भावों को प्रकट किया जिसमें, जिसमें माननीय राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री रक्षा मंत्री परिवहन मंत्री सहित अनेको माननीयों ने जनता को मार्गदर्शन दिया। चूंकि विजयदशमी पर्व धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, विश्व का कल्याण हो,की स्थिति पर खर्रा उतरता है जिसे धूमधाम व गर्व से मनाया जाता है, इसलिए आज हम पीआईबी और मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत सहित पूरी दुनियां में बसे भारतीयों ने अन्याय पर न्याय, अहंकार पर विनम्रता और क्रोध पर धैर्य की जीत का पर्व विजयदशमी उत्सव मनाया गया।

साथियों बात अगर हम इस बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक त्योहार दशहरे पर माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के संदेशों की करें तो, एक संदेश में राष्ट्रपति ने कहा, भारत और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को दशहरे के शुभ अवसर पर मैं हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूँ दशहरा का त्यौहार, जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भारत के पूर्वी और दक्षिणी राज्य दशहरा को दुष्ट राक्षस महिषासुर पर देवी दुर्गा की जीत के रूप में मनाते हैं, जबकि उत्तरी और पश्चिमी राज्य इस त्योहार को भगवान राम की रावण पर जीत के रूप में मनाते हैं।यह त्यौहार हमें बुराई के प्रतीक अहंकार और नकारात्मकता से छुटकारा पाकर, सभी के लिए प्रेम और एकता की भावनाओं को अपनाना सिखाता है जो 'अच्छाई' का प्रतीक है। भगवान राम के मूल्य हमें जीवन की कठोरतम परीक्षाओं और प्रतिकूलताओं के बावजूद धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।आइए, इस दिन हम देश की समृद्धि और सभी की भलाई विशेषकर वंचितों के लिए, मिलकर काम करने का संकल्प लें। उपराष्ट्रपति ने दशहरे की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा पूरे भारत में बड़े उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाये जाने वाले त्योहार दशहरे के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। दशहरे का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत, अनैतिकता पर नैतिकता की जीत का प्रतीक है। यह न्यायपरायणता में हमारे विश्वास को मजबूत करने एवं सत्य, करुणा एवं साहस जैसे गुणों को अपनाने और संजोने का भी एक अवसर है।मेरी कामना है कि यह त्योहार सभी के लिए शांति, समृद्धि तथा सौहार्द लाए।

साथियों बात अगर हम मंगलवार दिनांक 24 अक्टूबर 2023 को अनैतिकता पर नैतिकता की जीत के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर माननीय पीएम द्वारा एक समारोह को संबोधन की करें तो, इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि विजयादशमी अन्याय पर न्याय की, अहंकार पर विनम्रता की, और क्रोध पर धैर्य की जीत का पर्व है। उन्होंने कहा कि यह संकल्पों को दोहराने का भी विशेष शुभ दिन है। उन्होंने समाज के सौहार्द्र को बिगाड़ने वाली विकृत मानसिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद तथा भारत के विकास के बजाय स्वार्थ की सोच रखने वाली ताकतों से सतर्क रहने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, हमें समाज में बुराइयों के, भेदभाव के अंत का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस साल हम चंद्रयान की लैंडिंग के ठीक दो महीने बाद विजयादशमी मना रहे हैं। इस दिन शस्त्र पूजन परंपरा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की धरती पर शस्त्रों की पूजा किसी भूमि पर आधिपत्य नहीं, बल्कि उसकी रक्षा के लिए की जाती है। उन्होंने कहा कि शक्ति पूजा का अर्थ संपूर्ण सृष्टि के सुख, कल्याण, विजय और गौरव की कामना करना है। उन्होंने भारतीय दर्शन के शाश्वत एवं आधुनिक पहलुओं पर बल दिया। हम राम की मयार्दा भी जानते हैं और अपनी सीमाओं की रक्षा करना भी जानते हैं। भारत के लिए अगले 25 वर्षों के महत्व को दोहराया। उन्होंने कहा, हमें प्रभु राम के उत?कृष्?ट लक्ष?यों वाला भारत बनाना है। एक विकसित भारत, जो आत्मनिर्भर हो, एक विकसित भारत, जो विश्व शांति का संदेश देता हो, एक विकसित भारत, जहां सभी को अपने सपनों को पूरा करने का समान अधिकार हो, एक विकसित भारत, जहां लोगों को समृद्धि और संतुष्टि का एहसास हो। यह राम राज की परिकल्पना है। इसी आलोक में पीएम ने सभी देशवासियों से जल बचाने, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने, स्वच्छता, लोकल के लिए वोकल, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाने, पहले देश और फि?र विदेश के बारे में सोचने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, मिलेट्स को बढ़ावा देने और अपनाने, फि?टनेस जैसे 10 संकल्प लेने को कहा।, और आखिर में हम कम से कम एक गरीब परिवार के घर का सदस्य बनकर उनकी सामाजिक हैसियत को बढ़ाएं जब तक देश में एक भी गरीब व्यक्ति है जिसके पास बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं, घर नहीं है, बिजली नहीं है, गैस नहीं है, पानी नहीं है, इलाज की सुविधा नहीं है, हम चैन से नहीं बैठेंगे। आने वाले 25 वर्ष भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूरा विश्व आज भारत की ओर नजर टिकाए हमारे सामर्थ्य को देख रहा है। हमें विश्राम नहीं करना है।रामचरित मानस में भी लिखा है- राम काज कीन्हें बिनु, मोहिं कहां विश्राम हमें भगवान राम के विचारों का भारत बनाना है। विकसित भारत, जो आत्मनिर्भर हो, विकसित भारत,जो विश्व शांति का संदेश दे, विकसित भारत, जहां सबको अपने सपने पूरे करने का समान अधिकार हो, विकसित भारत, जहां लोगों को समृद्धि और संतुष्टि का भाव दिखे। राम राज की परिकल्पना यही है,राम राज बैठे त्रैलोका, हरषित भये गए सब सोका यानि जब राम अपने सिंहासन पर विराजें तो पूरे विश्व में इसका हर्ष हो और सभी के कष्टों का अंत हो। लेकिन, ये होगा कैसे? इसलिए मैं आज विजयादशमी पर प्रत्येक देशवासी से 10 संकल्प लेने का आग्रह करूंगा।पहला संकल्प - आने वाली पीढ़ियों का ध्यान रखते हुए हम ज्यादा से ज्यादा पानी बचाएंगे। दूसरा संकल्प - हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को डिजिटल लेन-देन के लिए प्रेरित करेंगे। तीसरा संकल्प-हम अपने गांव और शहर को स्वच्छता में सबसे आगे ले जाएंगे। चौथा संकल्प-हम ज्यादा से ज्यादा वोहकलफॉर लोकल के मंत्र को फॉलो करेंगे, मेड इन इंडिया प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करेंगे। पांचवा संकल्प- हम क्वालिटी काम करेंगे और क्वालिटी प्रॉडक्ट बनाएंगे, खराब क्वालिटी की वजह से देश के सम्मान में कमी नहीं आने देंगे।

चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा भागीदार बनकर उभरा

वैश्विक स्तरपर हर क्षेत्र में चुनौतियों का दायरा बढ़ता जा रहा है क्योंकि इसकी वजह रूस यूक्रेन युद्ध की बढ़ती लंबी अवधि हमास-इजरायल युद्ध में अरब देशों और पश्चिमी देशों की बढ़ती खाई, बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ती वैश्विक गुटबंदी, बिगड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था, बढ़ती महंगाई इत्यादि अनेक चुनौतियां बढ़ती जा रही है। जहां एक और कोरोना महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की कमर तोड़ी वहीं अब दूसरी ओर बढ़ते युद्ध के ट्रेड से तैलीय पदार्थ और आयात निर्यात में बाधा, बढ़ती महंगाई के डंक उन पीड़ित देश के नागरिक झेल रहे हैं, परंतु युद्ध पर नकेल कसकर शांति की नींव डालने कोई देश सामने नहीं आ रहा है,मिस्त्र की राजधानी काहिरा में परसों युद्ध शांति सम्मेलन भी बेनतीजा रहा। इधर भारत अमेरिका की बढ़ती गहरी साझेदारी से किसी न किसी रूप में बैठक शुरू है, जिससे दुनियां को उम्मीद जगी है कि भारत अमेरिका दोनों मिलकर ही वैश्विक समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं,क्योंकि अनेक क्षेत्रों में भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदार हैं और अभी 22 अक्टूबर 2023 को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2023 -24 की पहली छमाही में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा भागीदार बनकर उभरा है तो वहीं 9 10 नवंबर 2023 को दोनों देशों के बीच टू प्लस टू मीटिंग होने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की घोषणा नहीं हुई है। चूंकि भारत अमेरिका की नजदीकियां तेजी के साथ प्रगाड़य होते जा रही है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना रहेगा।

साथियों बात अगर हम चालू वित्त वर्ष 2023-24 कीपहली छमाही में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार होने की करें तो,वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और घटते निर्यात एवं आयात के बावजूद अमेरिका चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2023 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 11.3 फीसदी घटकर 59.67 अरब डॉलर रह गया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 67.28 अरब डॉलर था। अप्रैल-सितंबर, 2023 में अमेरिका को निर्यात घटकर 38.28 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले साल समान अवधि में 41.49 अरब डॉलर था।अमेरिका से आयात भी घटकर 21.39 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 25.79 अरब डॉलर थाएक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक मांग में कमजोरी के कारण भारत और अमेरिका के बीच निर्यात तथा आयात में गिरावट आ रही है, लेकिन व्यापार वृद्धि जल्द सकारात्मक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आने वाले वर्षों में अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का रुझान जारी रहेगा, क्योंकि भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी तरह, भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार भी 3.56 फीसदी घटकर 58.11 अरब डॉलर रह गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में चीन को निर्यात मामूली रूप से घटकर 7.74 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 7.84 अरब डॉलर था। चीन से आयात भी घटकर 50.47 अरब डॉलर पर आ गया, जो पिछले साल समान अवधि में 52.42 अरब डॉलर था। अमेरिका ने व्यापार में चीन को छोड़ा पीछे, पहली छमाही में बना भारत का पार्टनर नंबर-वन। भारतीय उद्योग परिसंघ की निर्यात व आयात (एक्जिम) पर राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष ने पहले कहा था भारतीय निर्यातकों को अमेरिका द्वारा सामान्य तरजीह प्रणाली (जीएसपी) लाभ की बहाली के लिए शीघ्र समाधान समय की मांग है। क्योंकि इससे द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा मिलने में मदद मिलेगी। मुंबई स्थित एक निर्यातक ने कहा कि रुझान के अनुसार वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना रहेगा। लुधियाना के एक निर्यातक ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार लगातार बढ़ेगा। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत और अमेरिका के बीच निर्यात और आयात की संख्या में गिरावट आई है। हालाँकि, इसी अवधि के दौरान भारत और चीन के बीच व्यापार में गिरावट आई। अंतिम डेटा से पता चलता है कि इस अवधि के दौरान अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका टू प्लस टू बैठक आयोजित होने की करें तो भारत और अमेरिका 9 -10 नवंबर के आसपास नई दिल्ली में 2+2 बैठक आयोजित करने वाले हैं। सरकारी सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि अमेरिकी रक्षा सचिव और विदेश मंत्री, राष्ट्रीय राजधानी में विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री से मुलाकात करने वाले हैं। 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद एक राजनयिक शिखर सम्मेलन है जो 2018 में शुरू हुई थी। मीडिया सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान नेताओं के इजरायल हमास युद्ध के कारण मध्य पूर्व में उभरती स्थिति सहित वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद एक राजनयिक शिखर सम्मेलन है, जो 2018 में शुरू हुई थी और हर साल शुरू में विदेश मंत्री और भारत के रक्षा मंत्री के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य सचिव और रक्षा सचिव के बीच चर्चा के लिए आयोजित किया जाता है। सूत्रों ने कहा कि भारत और अमेरिका अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए ये वार्ताएं कर रही हैं और यह इन वार्ताओं का पांचवां संस्करण होगा। बैठक में यूरोप में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ-साथ क्षेत्र पर इसके असर पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक बैठक में भारतीय-अमेरिकी नेताओं के बीच इस्त्राइल-हमास युद्ध के कारण सामने आए हालातों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा युद्ध के चलते पश्चिम एशिया में पैदा हुए हालातों के साथ-साथ वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। साथियों बात अगर हम विशेषज्ञों द्वारा,भारत अमेरिका की दोस्ती 100 सालों से अधिक समय तक टिकी रहने के कयासों की करें तो, अमेरिकन फाइनेंसर और इन्वेस्टमेंट बैंकर ने भारत के सरकारी बॉन्ड्स को अपने बेंचमार्क इमर्जिंग-मार्केट इंडेक्स में शामिल किया है। इससे भारत के लिए उधार लेने की लागत घटेगी और घरेलू डेट मार्केट में करीब 30 अरब डॉलर का निवेश आने की संभावना है। इस बीच कंपनी के चेयरमैन और चीफ का कहना है कि भारत और अमेरिका बेस्ट नेचुरल पार्टनर हैं और उनकी दोस्ती अगले 100 साल तक टिकी रहने वाली है।

जीवनदीप महाविद्यालय में 28 अक्टूबर से दो दिवसीय क्षत्रिय समागम का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दो दिवसीय क्षत्रिय समागम कों लेकर 25 अक्टूबर बुधवार कों मलदहिया स्थित सिंह निकेतन में किया गया पत्रकार वार्ता का आयोजन` पत्रकार वार्ता के दौरान बताया गया की विश्व क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में आगामी 28 एवं 29 अक्टूबर को दो दिवसीय क्षत्रिय समागम जीवनदीप शिक्षण समूह परिसर बड़ा लालपुर चांदमारी में आयोजित है जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लगभग चार सौ प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है उक्त जानकारी देते हुए विश्व क्षत्रिय महासभा के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अशोक कुमार सिंह ने बताया कि देश के विभिन्न क्षत्रिय संगठनों के लगभग दो सौ पदाधिकारियों के अलावा आसपास के जिलों से करीब तीन-चार सौ सदस्य शामिल हो रहे हैं डा. अशोक सिंह ने आगे बताया कि जिन विशिष्ठ महानुभावों के आने की स्वीकृति मिल चुकी है उनमें प्रमुख रूप से मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया, वीरेंद्र सिंह मस्त (सांसद), जगदम्बिका पाल (सांसद), बृजभूषण सिंह (सांसद), नीरज शेखर, कृपाशंकर सिंह (पूर्व गृहमंत्री, महाराष्ट्र), आनन्द मोहन सिंह (पूर्व सिंह), लवली सिंह (पूर्व) सांसद), जयवीर सिंह (मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार), दयाशंकर सिंह (मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) ,बृजेश सिंह, पंजाब सिंह (पूर्व कुलपति काशी हिंदू विश्वविद्यालय), दुर्ग सिंह चौहान, हरिकेश बहादुर सिंह, प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह सहित कई मंत्री, सांसद, पूर्व विधानसभा एवं विधान परिषद सदस्य, ब्लाक प्रमुख जिला पंचायत अध्यक्ष, वर्तमान विधानसभा एवं विधान परिषद सदस्य शामिल होंगे` डा. अशोक कुमार सिंह ने आगे बताया कि उक्त क्षत्रिय समागम में क्षत्रिय महासभा, विश्व क्षत्रिय महासभा, आल इंडिया क्षत्रिय फेडरेशन, राष्ट्रीय करणी सेना, अ.भा. क्षत्रिय महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, पश्चिम बंगाल के विभिन्न संगठनों के लोग, झारखंड क्षत्रिय समाज, राष्ट्रीय क्षत्रिय जनसंसद, मध्य प्रदेश के क्षत्रिय संगठनों की भागीदारी होगी` क्षत्रिय समागम समारोह का उद्घाटन 28 अक्टूबर को पूर्वाह 11 बजे पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजा अमेठी संजय सिंह करेंगे।

वर्तमान में फैली अज्ञात बीमारी को दूर करने को मां से की गई कामना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अधर्म पर धर्म, अन्याय पर न्याय, असत्य पर सत्य तथा अच्छाई पर बुराई के महा प्रतीक पर्व विजयादशमी के अवसर पर काशी में लोगों ने देवी की आराधना कर शस्त्र का पूजन किया इस अवसर पर लोगों ने मां से कामना की कि इस समय काशी सहित प्रदेश में फैली अज्ञात बीमारी को दूर कर काशीवासियों को स्वस्थ बनाएं। इस कड़ी में मंगलवार को नवापुरा दारानगर स्थित नंद कटरा पर स्वर्णकार क्षत्रिय कमेटी परिवार ने हर्षोल्लास के साथ मां महिषासुर मर्दिनी की बड़ी प्रतिमा के समक्ष शस्त्र पूजन का आयोजन किया` प्रारंभ में कमेटी के अध्यक्ष कमल कुमार सिंह ने पंडित मिथिलेश शुक्ला "बिहारी" के आचार्यत्व में विधिवत पूजन अर्चन व मां भगवती की प्रतिमा के समक्ष दुर्गा सप्तशती का संपुट पाठ किया। उक्त अवसर पर अध्यक्ष कमल कुमार सिंह ने बताया कि भगवान श्री राम ने रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए मां दुर्गा की आराधना की थी और साथ ही शस्त्र का पूजन भी किया था तभी से सनातन धर्म के लोग क्रोध पर क्षमा, अज्ञानता पर ज्ञान, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य का महा विजय पर्व दशहरा हर्षोल्लाह के साथ मनाते चले आ रहे हैं इसी परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को विजयादशमी के दिन सन 1954 से चली आ रही शस्त्र पूजन की परंपरा का निर्वहन कमेटी परिवार ने किया जिसमें समाज परिवार के सैकड़ो संख्या में लोग शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। आगंतुकों का स्वागत कमेटी के महामंत्री सतीश कुमार सिंह तथा धन्यवाद प्रकाश कोषाध्यक्ष विष्णु सेठ ने किया। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से सरोज सेठ, रवि सर्राफ, कृष्ण कुमार सेठ, मुरली मनोहर सिंह, किशोर कुमार सेठ, डॉ कैलाश सिंह विकास, सुरेंद्र सोनी, सतीश कुमार सिंह, विष्णु सेठ, घनश्याम सेठ, अनुज गौतम, राजू वर्मा, सत्य प्रकाश सेठ, श्याम कुमार सर्राफ सहित समाज के सैकड़ो लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

दिलदारनगर पुलिस ने 24 घंटे में किया गुमशुदा घर के चिराग को सकुशल बरामद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आवेदिका श्रीमती लीलावती देवी पत्नी ओमप्रकाश गुप्ता निवासनी वार्ड नम्बर 04 दिलदारनगर बाजार थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर ने दिनांक 23 अक्टूबर सोमवार को लिखित सूचना दिया कि मेरा लड़का नितीश कुमार गुप्ता दिनांक 20 अक्टूबर 23 को समय करीब 10 बजे दिन मे घर से बिना किसी को बताये चला गया और वापस घर नही आया, काफी खोजबीन किया और कुछ पता नही चल पा रहा है। जिसकी सूचना पर प्रभारी निरीक्षक दिलदारनगर द्वारा गुमशुदा उपरोक्त की तलाश की गयी लेकिन नही मिला, पुनः दिनांक 24.10.23 को गुमशुदा उपरोक्त की तलाश कर 24 घण्टे के अन्दर गुमशुदा नितीश कुमार गुप्ता उपरोक्त को सकुशल बरामद कर आवेदिका श्रीमती लीलावती देवी उपरोक्त के सुपुर्दगी मे दिया गया। गुमशुदा नितीश कुमार गुप्ता उपरोक्त से पूछताछ की गयी तो बताया कि भदौरा से ट्रेन मे बैठ गया था, दिलदारनगर उतरना था, लेकिन ट्रेन से उतर नही पाया और बनारस चला गया था, तथा यह भी बताया कि मुझे कोई लेकर नही गया था, और ना ही मेरे साथ घटना हुई है। पुलिस के सक्रियता से आवेदिका 24 घण्टे के अंदर अपना बेटा नितीश कुमार गुप्ता को पाकर काफी खुश हुई और पुलिस वालो तथा पुलिस विभाग की काफी प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया। बरामद करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक महेश पाल सिंह, कांस्टेबल शिवम कुमार, महिला कांस्टेबल आरती सरोज शामिल रहे।

करीमुद्दीनपुर पुलिस ने किया चोरी सेंधमारी से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गाजीपुर के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्वेक्षण मे मंगलवार को उप निरीक्षक बृजेश मिश्र मय हमराह देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध वाहन, व्यक्ति, रोकथाम जुर्म जरायम करते हुए दुबिहा मोड़ तिराहे पर मौजूद थे कि मुखबिर खास की सूचना पर धारा 380, 457,411 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्तगण अर्जुन राजभर पुत्र राजेन्द्र राजभर नि0ग्राम मसौनी थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर उम्र करीब 19 वर्ष, विकास राजभर पुत्र रामविलास राजभर नि0ग्राम चमरारी थाना करी0पुर जनपद गाजीपुर उम्र करीब 19 वर्ष को गोड़उर पुल से मय 02 अदद बैटरी, एक अदद प्रिन्टर, एक अदद यूपीएस, एक अदद की-बोर्ड, एक अदद मानिटर, एक अदद इन्वर्टर के साथ गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक बृजेश मिश्र, हेड कांस्टेबल शिवमणि सेन, कांस्टेबल नवनीतकुमार शामिल रहे।

102 और 108 एम्बुलेंस कर्मियों ने मनाया गया विजयदशमी, बांटे प्रसाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयदशमी का पर्व पूरे देश में मनाया गया। इस पर्व पर लोग एक दूसरे को बधाई भी देते नजर आए। वही बहुत सारे प्रतिष्ठानों में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजा-पाठ भी संपन्न हुआ । एक दूसरे को प्रसाद भी वितरण किए गए। कुछ ऐसा ही जनपद में चलने वाले 102 और 108 एंबुलेंस के जिला अस्पताल स्थित कार्यालय में भी हुआ ।यहां पर 102 और 108 एंबुलेंस के ईएमटी और पायलट के साथ उनके उच्च अधिकारियों ने विजयादशमी की पर्व को मनाया साथ ही साथ प्रसाद भी वितरण किया। 102 और 108 एंबुलेंस के प्रभारी दीपक राय ने बताया कि 102 और 108 एंबुलेंस के चालक और ईएमटी परिवार के सदस्य की तरह है। यह लोग अपनी तत्परता से प्रतिदिन लोगों को नई जिंदगी देने का भी काम करते हैं। ऐसे में इस त्यौहार के मौके पर जब यह लोग अपने परिवार से दूर है तो इन लोगों को परिवार के जैसा माहौल देना हम सभी लोगों का कर्तव्य बन जाता है। जिसको लेकर इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला प्रोग्राम मैनेजर संदीप चौबे, अखंड ,आशुतोष के साथ ही पायलट और ईएमटी शामिल हुए।

बलात्कार का आरोपी शातिर अपराधी चढ़ा मुहम्मदाबाद पुलिस के रडार पर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत धारा 376, 506 आईपीसी से सम्बन्धित शातिर अपराधी को गिरफ्तार करने की उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गयी। बताते चलें कि पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के आदेशानुसार जनपद गाजीपुर में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद, गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण / निर्देशन में दिनांक 25 अक्टूबर मंगलवार को अ0प्र0नि0 रामबहादुर चौधरी मय हमराहीगण द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत धारा 376, 506 आईपीसी में वांछित चल रहे अभियुक्त रिशू राय उर्फ बन्टी पुत्र बृजमंगल राय निवासी गोडी थाना भांवरकोल जिला गाजीपुर उम्र 23 वर्ष को अदिलाबाद चौराहा के पास से समय करीब 11.35 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाले टीम में अ0प्र0नि0 रामबहादुर चौधरी थाना मुहम्मदाबाद, कांस्टेबल सुनील कुमार थाना मुहम्मदाबाद, महिला आरक्षी सत्यरुपा यादव थाना मुहम्मदाबाद, महिला आरक्षी सन्ध्या चौधरी व प्रियंका यादव थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

धूमधाम से विसर्जित हुई माँ दुर्गा की प्रतिमा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। ग्रामीण क्षेत्रों में पंडालों में स्थापित माँ दुर्गा की प्रतिमा बुधवार को धूमधाम से गाजे बाजे के साथ निर्धारित तालाबो में विसर्जित किया गया। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रही। क्षेत्र के पिंडरा , फूलपुर, सिंधोरा, मंगारी, कुआर, ओदार, खालिसपुर, थानारामपुर, मिराशाह कठिराव समेत 75 स्थानों पर स्थापित दुर्गा माँ की प्रतिमा को विसर्जित किया गया। इस दौरान पिंडरा, जमापुर, रामपुर, पिंडराई, कठिराव, सिंधोरा में बने तालाब के इर्द गिर्द साफ सफाई के साथ विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की गई थी। एसीपी पिंडरा प्रतीक कुमार व एसओ फूलपुर दीपक रणावत, एसओ सिंधोरा अखिलेश वर्मा समेत अनेक पुलिस कर्मी तैनात रहे।

विजय दशमी एवं आर एस एस की स्थापना दिवस की देशवासियों को बधाई - संपूर्णा नंद पाण्डेय

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा के प्रदेश महासचिव संपूर्णा नंद पाण्डेय ने सभी देश वासियों को दशहरा की बधाई दी और कहा की हम सभी लोग अज्ञान का विनाश कर ज्ञान का प्रकाश करने वाले प्रभु श्री राम की शरण को हम सभी ग्रहण करते है यह दशहरा का पर्व नकारत्मक सोच को अंत करके अच्छे सोच को लेकर आता है आज ही दिन हम सभी आर एस एस की स्थापना दिवस भी मानते है ` पाण्डेय जी ने कहा कि आर एस एस एक संगठन ही नही बल्कि अनुशासन, निः स्वार्थ सेवा और समर्पण का पर्याय है मां भारती के वैभव को उच्चतम स्तर तक पहुंचाने में संघ ने कई दशकों से सभी भारतीय लोगो के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में अहम भूमिका निभाया है अजय मिश्र ने संघ के स्थापना दिवस पे सभी देश वासियों को बधाई दिया और सभी को देश सेवा के लिए प्रेरित किया अमित तिवारी ने कहा की दशहरा एक उम्मीद जगाता है, बुराई के अंत की याद दिलाता है जो चलता है सत्य की रह पर वो विजय का प्रतीक बन जाता है माता विंध्यवासिनी सभी देशवासियों की मनोकामना पूर्ण करें।

संघर्ष 2 की सफलता के बाद पराग पाटिल और खेसारीलाल यादव की फिल्म राजाराम की शूटिंग अयोध्या में हुई शुरु

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक पराग पाटिल और हिट मशीन खेसारीलाल यादव का जलवा खूब देखने को मिल रहा है अभी हाल ही में इनकी फिल्म "संघर्ष 2 " ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी और अब वे नई फिल्म राजाराम लेकर आ रहे हैं इसकी एक झलक दशहरा के अवसर पर अयोध्या में देखने को मिली जब राम बने खेसारीलाल यादव धनुष बाण लिए नजर आये उनके साथ भोजपुरी फिल्म में धमाकेदार डेब्यू करने वाले राहुल शर्मा लक्ष्मण की भूमिका नजर आ रहे थे साथ में मां जानकी भी थी और सभी रथ पर सवार हो निकले थे।

दशहरा के अवसर पर आउट हुआ प्रदीप पांडेय चिंटू की फिल्म हिंदुस्तानी का फर्स्ट लुक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे चहेते अभिनेताओं में से एक प्रदीप पांडेय चिंटू की फिल्म हिंदुस्तानी का फर्स्ट लुक दशहरा के अवसर पर आउट कर दिया गया है फर्स्ट लुक में चिंटू हाथ में तीर धनुष लिए एक रावण जैसी काया का वध करने को तैयार है जिसे धारण करते नजर आ रहे हैं भोजपुरी सिनेमा के वसेर्टाइल एक्टर देव सिंह वेब म्यूजिक प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण सांवरे फिल्म्स कर रही है` फिल्म की कहानी क्या होगी यह तो आने वाला वक्त बताएगा लेकिन फिल्म के पोस्टर ने भोजपुरी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है चिंटू फिल्म के फर्स्ट लुक में बेहद अलग और अनोखी अंदाज में नजर आ रहे हैं। आपको बता दें कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर विजय कुमार यादव है जिन्होने फिल्म हिंदुस्तानी को लेकर कहा कि फिल्म हिंदुस्तानी मनोरंजन का जखीरा है और यह जब रिलीज होगी तो दर्शकों को खूब भाएगी फिल्म की हैरतअंगेज कहानी इस फिल्म की यूएसपी है जिसे इस फिल्म में खूब भुनाया गया है यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी उससे पहले फिल्म का ट्रेलर वेब म्यूजिक से रिलीज होगी` फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम पूरा हो चुका है वही फिल्म को लेकर उत्साहित प्रदीप पांडेय चिंटू ने अपने फैंस को दशहरा की शुभकामनाओं के साथ कहा कि हिंदुस्तानी धरती पर बढ़ता जब अत्याचार है संत सनातन कि रक्षा को लेते राम अवतार है मयार्दा में रहते तबतक जबतक मयार्दा बची रहे मयार्दा जब भंग हो जाए करते रावण संहार है।

गहमर पुलिस ने किया शराब सेल्समैन की हत्या का अनावरण, दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध एवम् अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी जमानियाँ के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को स्वाट/सर्विलांस व प्रभारी निरीक्षक गहमर की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिरी सूचना के आधार पर टीबी रोड स्थित मगरखाई मोड से समय करीब 02.45 बजे 02 नफर अभियुक्त को 01 अदद तमंचा .315 बोर, 02 अदद जिन्दा कारतूस.315 बोर व घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल हीरो सुपर स्पलेंडर कुटरचित रजि0नं0 बीआर 24एएच 8138 जिसका इंजन नंम्बर जेए 05 ईसीएफ 9602012 है, के साथ गिरफ्तार किया गया। अवगत कराना है कि ग्राम भतौरा में देशी शराब की दुकान के सेल्समैन की गोली मारकर हत्या करते हुए लूट की घटना को अंजाम दिया गया । जिसके सम्बन्ध में दिनांक 20 अक्टूबर 2023 को थाना गहमर पर धारा 302,394 भादवि पंजीकृत किया गया था उपरोक्त मुकदमें में गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों के बयान व बरामदगी के आधार पर धारा 411/414/34/420/467/468/471 भादवि व 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी करते हुये अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है, प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त सतेन्द्र सिंह उर्फ सत्या के विरुद्ध विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित है। अभियुक्तगण ने पूछताछ द्वारा बताया कि दिनांक 19 अक्टूबर 2023 को हम दोनो व हमारे तीसरे दोस्त सतेन्द्र सिंह उर्फ सत्या सिंह, इसी बरामद मोटरसाईकिल से देशी शराब की दुकान भतौरा पहुँचे थे, जहाँ शराब लेने के बहाने सेल्समैन से दरवाजा खुलवाया और सेल्समैन से कहा कि जितना रुपया हो, हमे दे दो । जिसका वह विरोध करने लगा तो हम लोगों के द्वारा तमंचे से सेल्समैन को गोली मार दिया गया व कैश बाक्स से 72680 रुपये लेकर व सेल्समैन के मोबाईल को भी लेकर फरार हो गये थे। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों का विवरण में शैलेन्द्र सिंह यादव पुत्र सुरेन्द्र सिंह यादव उम्र करीब 29 वर्ष निवासी ग्राम सोनपा थाना राजपुर जनपद बक्सर बिहार, सुनील सिंह यादव पुत्र रमेश सिंह यादव उम्र करीब 23 वर्ष निवासी ग्राम पलिया पोस्ट डेहरी थाना राजपुर जनपद बक्सर बिहार व हालपता ग्राम इशापुर महावीर स्थान पोस्ट सोनपा थाना राजपुर जनपद बक्सर बिहार।

द जेंटलमैन स्टोर का आयुष मंत्री डॉ० दयाशंकर मिश्र दयाल गुरु ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चितईपुर क्षेत्र में कपड़ों के प्रतिष्ठित शोरूम द जेंटलमैन स्टोर का आयुष मंत्री डॉ० दयाशंकर मिश्र दयाल गुरु ने फीता काटकर किया उद्घाटन` उद्घाटन के बाद शोरूम के निदेशक जगदीश द्विवेदी एवं अंकित द्विवेदी ने संयुक्त रूप से मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि हमारे प्रतिष्ठान में गुड़गांव की प्रतिष्ठित कंपनी स्टाइलॉक्स और मार्क जिलियन के ब्रांडेड पैंट शर्ट जींस टी-शर्ट की 100 से अधिक रेंज उपलब्ध है जो 500रुपया से लेकर 2000 रुपया तक में उपलब्ध है आगामी त्यौहार को देखते हुए काशीवासियों को दीपावली तक प्रत्येक खरीद पर 50% की छूट दी जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनिकेत द्विवेदी, मोनिका द्विवेदी, सुशीला द्विवेदी, समेत काफी संख्या में गनमैन लोग उपस्थित थे।

अन्नपूर्णा मंदिर में महंत ने किया ध्वज और शस्त्र की पूजा ,कई दशक की है परंपरा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अन्नपूर्णा मठ मंदिर में विजयदशमी के पर्व पर ध्वज और शस्त्र की पूजा मंगलवार को विधि विधान से हुई संपन्न सनातन परंपरा में दशहरे का अत्यधिक धार्मिक महत्व है बुराई पर अच्छाई की जीत से जुड़े इस पर्व पर भगवान राम की पूजा के साथ विजय पताका और शस्त्र पूजा का विधान है` प्राचीन काल से राजा,महाराजा और साधु संतो द्वारा की जाने वाली शस्त्र पूजा आज तक चली आ रही है महंत शंकर पूरी ने बताया कि मंदिर में ध्वज और शास्त्र की पूजा कई दशकों की परंपरा है उन्होंने कहा कि विजयादशमी पर्व पर शस्त्र की पूजा करने पर पूरे वर्ष आंतरिक और बाहरी शत्रुओं पर विजय प्राप्ति का वरदान प्राप्त होता है यही कारण है कि आम आदमी से लेकर भारतीय सेना तक दशहरे के दिन विशेष रूप से शस्त्रों का पूजन करती है।

श्री रामलीला समिति कचहरी क्षेत्र अर्दली बाजार वाराणसी द्वारा महावीर मन्दिर चौराहे पर किया गया रावण का पुतला दहन आतिशबाजी से गूंजा क्षेत्र

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री रामलीला समिति कचहरी क्षेत्र अर्दली बाजार वाराणसी द्वारा नवरात्र पूर्व से ही अर्दली बाजार चौराहे पर रामलीला का आयोजन किया जा रहा था जो की मंगलवार कों विजयादशमी के दिन समापन किया गया समापन उपरान्त महावीर मन्दिर चौराहे पर भाजपा नेता पण्डित संजय पाण्डेय के द्वारा मंत्रोच्चार के द्वारा श्री राम, लक्ष्मण ,मां सीता जी और हनुमान जी का पूजन अर्जन व आरती किया गया जिसके बाद श्री राम और रावण के बीच युद्ध हुआ जिसके बाद श्री राम के हाथों रावण का पुतला दहन किया गया जिसमें कई हजारों की संख्या में देखने वालों की भीड़ इकट्ठा हुई रावण का पुतला दहन के दौरान ढेर सारी आतिशबाजी हुई जिससे की आसपास सिर्फ पटाखों की गूंज कुछ समय तक सुनाई दिया भाजपा नेता पण्डित संजय पाण्डेय ने कहा की सनातन धर्म की जीत हुई और बुराई पर अच्छाई की जीत हुई है यदि कोई भी व्यक्ति चाहे किसी धर्म का हो बुरा करेगा तो माफी नहीं मिलेगा श्री रामलीला समिति अर्दली बाजार के उपाध्यक्ष व भाजपा नेता पण्डित संजय पाण्डेय ने मीडिया से बताया की महावीर मन्दिर चौराहे पर मंगलवार की शाम रावण का पुतला दहन के दौरान देखने वाले लोगो की संख्या एक लाख से ज्यादा रही` भीड़ इतना ज्यादा बढ़ गया की मन्दिर प्रांगण में जगह व सड़कें भी कम पड़ रही थी लोग एक दूसरे गिर पड़ रहे थे जिला प्रशासन मौके पर दलबल के साथ महावीर मन्दिर चौराहे पर उपस्थित रहे जिससे की स्थिति सामान्य रही रावण पुतला दहन के दौरान मौके से मुख्य रूप से भाजपा से काशी क्षेत्र के महेश चन्द्र श्रीवास्तव व पाण्डेयपुर वार्ड नम्बर 30 से लोकप्रिय पार्षद अशोक मौर्या ,विनय सदेजा कांग्रेस पार्षद अर्दली बाजार , शेलेन्द्र दिवेदी उर्फ बब्बू महाराज (महन्त) महावीर मन्दिर , साईं बाबा मन्दिर के पुजारी पण्डित विजय जी , पुजारी पवन पाण्डेय उपस्थित रहे श्री रामलीला समिति कचहरी क्षेत्र अर्दली बाजार वाराणसी के मन्त्री प्रोफेसर प्रकाश चौबे ,उपाध्यक्ष पण्डित संजय पाण्डेय, नोरावर सिंह ,दिलीप जायसवाल ,घनश्याम गुप्ता , मनोज केसरी , शीतला जी ,बिरजू सोनकर , अनिल पाण्डेय , अरविन्द सिंह चन्देल (कांग्रेस नेता), विक्की सिंह (कांग्रेस नेता), बाबा रवि पाण्डेय (कांग्रेस नेता), अजय सिंह लम्बू (कांग्रेस नेता) और महावीर मन्दिर के कार्यकर्ता राजू मौर्या , राजकुमार पटेल , अजय सेठ , राहुल पाण्डेय , अंशु पाण्डेय , शास्त्री राज बाबा पाण्डेय , पिंकू श्रीवास्तव , मुन्ना पाल, अश्वनी पाण्डेय , रोहित पाण्डेय , मोहित पाण्डेय , यश पाण्डेय , अनमोल पाण्डेय , संजू सोनकर , जिउत सोनकर सहित सैकड़ों कार्यकर्तागण शामिल रहे।

मैडम क्यूरी थी पहली महिला वैज्ञानिक, जिनको मिला था दो बार नोबेल प्राइस

नोबेल पुरस्कार के इस सत्र में महिलाओं के लिए एक रिकॉर्ड बना है। अमेरिकी अर्थशास्त्री इतिहासकार क्लाउडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार मिला। क्लाउडिया के नाम का ऐलान के साथ यह साल नोबेल पुरस्कार में आधी आबादी के बढ़ते दबदबे को बयां कर रहा। नोबेल प्राइज की शुरूआत 1901 से हुई थी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फिजिक्स के क्षेत्र में 225 प्राइज दिए जा चुके हैं, जिसमें अभी तक केवल पांच महिलाओं को यह पुरस्कार मिला है।

अर्थशास्त्र के क्षेत्र में 93 पुरस्कारों में से तीन महिलाओं को यह मिला है। जबकि चिकित्सा के क्षेत्र में मिले 227 पुरस्कारों में 13 महिलाएं शामिल रहीं।

गोल्डिन पहली महिला जिनको अर्थशास्त्र में पुरस्कार

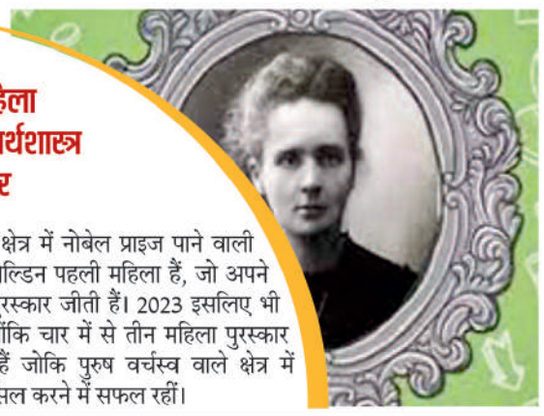

अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल प्राइज पाने वाली क्लाउडिया गोल्डिन पहली महिला हैं, जो अपने दम पर यह पुरस्कार जीती हैं। 2023 इसलिए भी खास रहा क्योंकि चार में से तीन महिला पुरस्कार विजेता ऐसे हैं जोकि पुरुष वर्चस्व वाले क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने में सफल रहीं।

दो अलग-अलग क्षेत्रों में मिला था नोबेल

मैडम मैरी क्यूरी, नोबेल पुरस्कार पाने वाली पहली महिला विजेता हैं। मैडम क्यूरी को 1903 में यह पुरस्कार मिला था। मैडम क्यूरी एकमात्र ऐसी वैज्ञानिक हैं, जिनको दो बार अलग-अलग क्षेत्रों में प्राइज मिले हैं। मैडम क्यूरी को 1903 में फिजिक्स तो 1911 में केमिस्ट्री के क्षेत्र में नोबेल प्राइज मिला था।

किन-किन महिलाओं को इस बार मिला नोबेल पुरस्कार

नोबेल प्राइज में इस साल सबसे अधिक महिलाओं ने अपना नाम दर्ज कराया है। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में जहां अमेरिकी क्लाउडिया गोल्डिन के नाम का ऐलान किया गया वहीं महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ अभियान चलाने के लिए जेल में बंद ईरानी अधिकार कार्यकर्ता नरगेस मोहम्मदी को नोबेल पीस प्राइज मिला है। स्वीडिश वैज्ञानिक ऐनी एल'हुइलियर ने भी फिजिक्स में तो हंगरी की कैटलिन कारिको ने मेडिसीन के क्षेत्र में नोबेल प्राइज अन्य के साथ साझा किया है। पहली बार ऐसा हुआ है कि नोबेल प्राइज में आधी आबादी ने लगभग आधा हिस्सा साझा किया है।

रोचक खबरें

खतरा : ग्रीनलैंड की बर्फ को लेकर डर के साए में दुनिया के सभी द्वीपों वाले देश

नई दिल्ली। यदि वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.7 डिग्री और 2.3 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है तो ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर अचानक पिघल सकती है। एक अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। बर्फ के अचानक पिघलने से वैश्विक समुद्र का स्तर अचानक बढ़ सकता है।

इससे द्वीप देशों का एक बड़ा हिस्सा डूब सकता है। सबसे ज्यादा खतरा उन देशों को है, जिनकी सतह समुद्र से सिर्फ 1 से 2 मीटर ऊपर है। हालांकि, बाद में 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे ठंडा करने से बर्फ के नुकसान को कम किया जा सकता है, लेकिन केवल तभी जब शीतलन प्रक्रिया कुछ शताब्दियों के भीतर होती है, जैसा कि नेचर जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है। यह अध्ययन 'यूआईटी द आर्कटिक यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्वे' के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने किया है। टीम ने अध्ययन किया और विश्लेषणों से संकेत मिला कि भले ही वैश्विक औसत तापमान 2100 तक पूर्व-औद्योगिक स्तर से लगभग 6.5 डिग्री ऊपर पहुंच जाए, लेकिन अगली शताब्दियों में ठंडा होने से बर्फ की चादरें पूरी तरह पिघल सकती हैं।

खगोलीय घटना : दो ग्रहों में जोरदार टक्कर होते ही मचा हडकंप, वैज्ञानिक हुए हैरान

नई दिल्ली। ब्रह्मांड की खोज में जुटे हमारे वैज्ञानिकों को जब दो विशाल ग्रहों की टक्कर के बारे में पता चला तो वे हैरान रह गए। ग्रहों के टकराने से कितनी तबाही मच सकती है इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। दो ग्रहों की टक्कर एक नए ग्रह को जन्म दे सकती है। मौजूदा मामले में यह टक्कर हमारे सौर मंडल से काफी दूर हुई है और वैज्ञानिकों ने पहली बार ग्रहों की टक्कर की 'आफ्टरग्लो' देखी है। इसका मतलब है कि वैज्ञानिकों ने टक्कर के बाद पैदा हुई स्थिति को देखा। अध्ययन में कहा गया है कि दोनों ग्रह सूर्य जैसे तारे के पास टकराए, जिससे गर्मी, प्रकाश और धूल का बादल बन गया। वैज्ञानिक इस टकराव को इसलिए देख पाए क्योंकि इससे निकली धूल ग्रहों के मूल तारे के पास पहुंच गई और वह तारा पृथ्वी से धुंधला दिखाई देने लगा।जैसे ही वैज्ञानिकों को तारे के धुंधले दिखने की जानकारी मिली तो उन्होंने दूरबीन की मदद ली। शोध का हिस्सा रहे लीडेन यूनिवर्सिटी के डॉ. मैथ्यू केनवर्थी ने कहा कि यह अवलोकन उनके लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक था।

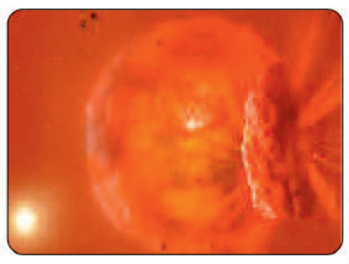

वायरल : सफेद चेहरा, काली आंखें, भूतिया लिबास में गरबा करती दिखी नन

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें जो दो लोग गरबा कर रहे है लेकिन उन्होंने जैसी पोशाक पहन रखी है उसे देख बच्चे क्या बड़े भी डरने के लिए मजबूर हो जाए। वीडियो में देखा जा सकता है कि दो लोग नन की ड्रेस पहनकर डांस कर रहे हैं। दोनों ने ब्लैक एंड व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी हुई है, जो बिल्कुल हॉलिवुड फिल्म 'नन' में दिखाई गई भूतिया नन की तरह है। इन्होंने बकायदा भूतिया दिखने के लिए अपने चेहरे पर सफेद रंग भी लगा रखा हुआ है। आंखों को काले रंग से रंग दिया है, ताकि उन्हें देखकर लोगों की रूह कांप जाए। वहीं सबसे मजेदार तो ये है कि दोनों इतने भयानक अवतार में भी बड़े आराम से गरबा पंडाल में गानों पर थिरकते हुए नजर आ रहे है। बता दें, नन के डांस करते हुए इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक अकाउंट ने शेयर किया है। वहीं देखने वाली बात है कि गरबा खेलते हुए इन लड़कों के आसपास मौजूद सभी लोग इन्हें घूर-घूरकर देख रहे हैं। लेकिन इन्हें बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ रहा है और वे अपनी धुन में मग्न होकर नाच रहे हैं।

प्रकृति : पहाड़ों के भूत हिम तेंदुए, दिखते हैं सिर्फ सुबह और शाम, विलुप्त हो रही प्रजाति

हिम तेंदुए ऊंचे पहाड़ी इलाकों में रहते हैं, जो 18,000 फीट की ऊंचाई पर हैं, ज्यादातर इस तरह के क्षेत्र हिमालय में है। चीन और मंगोलिया में हिम तेंदुओं की संख्या सबसे अधिक होने की बात पता चली है। वे भारत, नेपाल, पाकिस्तान और रूस में भी रहते हैं। हिम तेंदुओं को अक्सर पहाड़ों का भूत भी कहा जाता है क्योंकि ये बहुत कम दिखाई देते हैं। इसका एक कारण यह है कि वे आमतौर पर केवल शाम और सुबह में ही निकलते हैं। हिम तेंदुए अच्छी तरह से छिपे हुए होते हैं, जिससे उन्हें पहचानना कठिन हो जाता है। इनका मोटा फर भूरे और पीले रंग का होता है, उनके पास लंबी, मोटी पूंछ होती है जिसे वे गर्म रहने के लिए अक्सर अपने चारों ओर लपेटते हैं। हिम तेंदुए दहाड़ने के बजाय, मुंह बंद करके म्याऊ करते हैं। वे एक रात में 25 मील से अधिक की यात्रा कर सकते हैं। हिम तेंदुए जंगली भेड़ों का शिकार करते हैं। जवाबी मारने की घटनाओं के कारण जंगल में हिम तेंदुओं की कम संख्या कम हो रही हैं। आज, कम से कम 4,000 हिम तेंदुए हो सकते हैं। उनकी कम संख्या के कारण, हिम तेंदुओं को लुप्तप्राय की श्रेणी मैं रखा गया है।

मिस्र में रिसर्चर्स के हाथों एक ऐसा खजाना लगा है, जिसकी कीमत कई अरब डॉलर में बताई जा रही है। यूरोपियन इंस्टीट्यूट फॉर अंडरवाटर आर्कियोलॉजी (आईईएएसएम) ने एक प्रेस रिलीज जारी कर खजाने के बारे में ऐलान किया है।

मिस्र में मिला भगवान अमुन का प्राचीन मंदिर, हाथ लगे अरबों डॉलर के गहने

एजेंसी ▶▶ काहिरा

संस्था की तरफ से घोषणा की गई है कि मिस्र के भूमध्यसागरीय तट पर डूबे हुए एक मंदिर की जगह पर खजाने का खुलासा हुआ है। संगठन ने कहा कि

- मंदिर ईसा पूर्व दूसरी सदी के मध्य भयानक घटना के दौरान ढह गया था
- धरोहर हिंसा और प्रलय की भयावहता के बावजूद बरकरार रहीं

फ्रांस के पुरातत्वविद् फ्रेंक गोडियो की अगुवाई में पानी के नीचे रिसर्चर्स की टीम ने अबूकिर की खाड़ी में बंदरगाह शहर थोनिस-हेराक्लिओन में भगवान अमुन के मंदिर की जगह पर खोज की है। गोडियो को समुद्र के नीचे खोज करने में महारत हासिल है।

रिसर्चर्स को क्या-क्या मिला

आईईएएसएम की तरफ से बताया गया है कि टीम ने शहर की दक्षिणी नहर की जांच की थी। यहां पर प्राचीन मंदिर के पत्थर के विशाल खंड मौजूद थे। मंदिर ईसा पूर्व दूसरी सदी के मध्य भयानक घटना के दौरान ढह गया था। प्रेस रिलीज में कहा गया है कि भगवान अमून का मंदिर वही जगह थी, जहां फिरौन, मिस्र के प्राचीन देवताओं के सर्वोच्च देवता से उच्चतम राजा के तौर पर अपनी शक्ति को हासिल करने के लिए आते थे। आईईएएसएम ने कहा है कि मंदिर के खजाने से जुड़ी बहुमूल्य वस्तुओं का पता लगाया गया है। इसमें चांदी के पूजा करने वाले उपकरण, सोने के गहने और इत्र या सुगंध के लिए नाजुक अलबास्टर कंटेनर शामिल है।

ग्रीस में भी मिला मंदिर

संगठन की तरफ से कहा गया है कि ये खोज नई टेक्नोलॉजी की वजह से संभव हुई है। इस टेक्नोलॉजी की मदद से कई मीटर मोटी मिट्टी की परतों के नीचे दबी हुई गुफाओं और वस्तुओं का पता लगाया जा सकता है। अमुन मंदिर के पूर्व में एफ्रोडाइट को समर्पित एक ग्रीक मंदिर भी मिला है, जिसमें कांसे और चीनी मिट्टी की वस्तुएं थीं। बताया जा रहा है कि इससे पता चलता है कि सैटे राजवंश (664-525 ईसा पूर्व) के फिरौन के समय में जिन नागरिकों को व्यापार करने और शहर में बसने की इजाजत थी, उनके पास अपने देवताओं के लिए मंदिर थे।

प्रलय के बावजूद रहा बरकरार

संगठन की तरफ से इसे मंदिर की संपत्ति और बंदरगाह शहर के पूर्व निवासियों की धर्मपरायणता का गवाह बताया जा रहा है। गॉडडियो की टीम और मिस्र के पर्यटन और पुरावशेष मंत्रालय के अंडरवाटर पुरातत्व विभाग द्वारा मिलकर की गई इस पुरातात्विक खुदाई में भूमिगत खुदाई का पता चला। संस्थान ने बताया है कि जो भी सामान मिला है है वह पांचवी शताब्दी ईसा पूर्व की उस लकड़ी से बना है जिसे काफी अच्छी तरह से संरक्षित करके रखा गया था। आईईएएसएम के मुखिया गोडियो ने कहा कि ऐसी नाजुक वस्तुओं की खोज करना बहुत ही इमोशनल है। यह धरोहर हिंसा और प्रलय की भयावहता के बावजूद बरकरार रहीं।

लंबी गर्दन वाले विशाल डायनासोर का पहली बार मिला जीवाश्म

वॉर्सा। यूरोपीय देश स्पेन में 12 करोड़ 20 लाख साल पहले राज करने वाले विशाल डायनासोर का जीवाश्म मिला है। यह डायनासोर सौरोपोड प्रजाति का था और अपनी लंबी गर्दन की वजह से बेहद खास था। टाइटनोसौर होने की वजह से इस नाम टाइटन रखा गया है। इस डायनासोर का आकार बहुत असामान्य था।

शोधकर्ताओं को पुरास्थल पर कम से कम 3 जीवाश्म मिले हैं, जिसमें विशाल रीढ़ का जोड़, पैर की हड्डी और दो लगभग पूर्ण पैर के अवशेष मिले हैं। यह किसी सौरोपोड के मामले में बहुत दुर्लभ खोज है। यह जीवाश्म क्रेटासेअस काल (14 करोड़ 50 लाख साल से 6 करोड़ 60 लाख साल के बीच) के शुरुआती दौर के बताए जा रहे हैं। यह शोध लिन्नेआन सोसायटी के जर्नल में प्रकाशित हुआ है। सौरोपोड 4 पैरों वाले डायनासोर होते थे। इनकी गर्दन और पूंछ बहुत लंबी होती थी।

धरती से कैसे खत्म हो गए डायनासोर?

सौरोपोड का ही एक उप समूह टाइटनोसौर होते थे जो सबसे विशाल सौरोपोड थे। यह एकमात्र वंश था, जो 6 करोड़ 60 लाख साल पहले धरती पर ऐस्टरॉइड के गिरने तक बचा हुआ था। माना जाता है कि इस विशाल ऐस्टरॉइड के गिरने के बाद धरती से डायनासोर का खात्मा हो गया। डायनासोर की हड्डी के अवशेष से शोधकर्ता अभी यह नहीं बता पाएं हैं कि यह टाइटन कितना बड़ा था। एक डायनासोर का रीढ़ का जोड़ 3.3 फुट चौड़ा था। वहीं जांघ की हड्डी 6.6 फुट तक पाई गई है। शोधकर्ताओं ने हड्डियों के आकार के आधार पर अनुमान लगाया है कि इन डायनासोर का औसत आकार एक बॉस्केटबाल कोर्ट के आकार के बराबर होता था। वैज्ञानिकों में अभी इस बात को लेकर बहस चल रही है कि क्या कौन सी प्रजाति सबसे भारी थी लेकिन उनका अनुमान है कि यह कम से कम 70 टन का जरूर रहा होगा। साल 2021 में शोधकर्ताओं को टाइटनोसौर की एक नई प्रजाति अर्जेंटीना में मिली थी जो इससे भी बड़ा हो सकता है। टाइटनोसौर भले ही सबसे भारी सौरोपोड थे लेकिन वे सबसे लंबे नहीं थे।

राज पैलेस का एक दिन का किराया 14 लाख रुपए!

नई दिल्ली। भारत में एक ऐसा होटल भी है, जिसे देश के सबसे महंगे होटल में गिना जाता है और किराया तो अमीरों के भी होश उड़ा देता है, तब आप क्या कहेंगे?

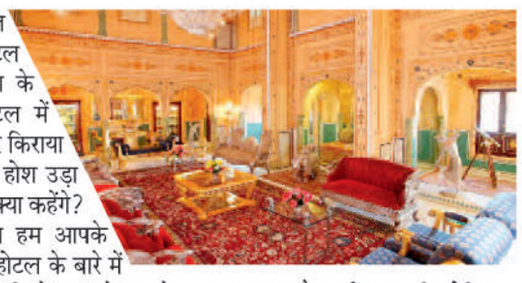

जी हां, आज हम आपके साथ राज पैलेस होटल के बारे में बात करने वाले हैं, जिसे भारत के सबसे महंगे होटल में गिना जाता है। शायद आप एक रात रुकने की कीमत का अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं।

60 हजार रुपए से शुरू है किराया : आप सभी इस होटल के रूम का किराया सोच रहे होंगे, आखिर किराया कितना है, बता दें होटल के हेरिटेज और प्रीमियर रूम का एक रात का किराया लगभग 60 हजार रुपए है। वहीं अगर हिस्टोरिकल सुइट के किराए की बात करें तो 77 हजार यहां का किराया। प्रेस्टीज सुइट का एक रात का किराया एक लाख रुपए से ज्यादा है, वहीं पैलेस सुइट का एक रात का किराया 5 लाख रुपए से भी अधिक है। सबसे महंगा यहां का प्रेसिडेंशियल सुइट है, जिसका एक रात का किराया 14 लाख से भी अधिक है।

मुर्गे फेंककर किया जाता था फ्लाइट के इंजन को टेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फ्लाइट के इंजन को टेस्ट करने के लिए इंजन पर मुर्गे फेंके जाते हैं। कई बार आपने सुना होगा कि पक्षी फ्लाई विंग से टकरा जाते हैं। इससे हजारों लोगों की जान को खतरा रहता है। ऐसे में हवाई जहाज पर पक्षी से होने वाले हमले को लेकर इसका टेस्ट किया जाता है। इस दौरान इसके इंजन में चिकन गन के जरिए मुर्गे को भी फेंका जाता है। इस तरह लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है।

दुर्घटना से बचने के लिए होता है इस्तेमाल : ये टेस्ट दुर्घटना से बचने के लिए होता है। एक पक्षी की वजह से फ्लाइट में बैठे हर यात्री की जान को खतरा बना रहता है। कंपनी सिमुलेटर के इस्तेमाल से ये फैसला करती है कि पक्षी के टकराने से विमान का इंजन काम करना बंद कर दे। ये सब कुछ लोगों की सुरक्षा के लिए किया जाता है।

1950 में पहली बार किया गया इस्तेमाल : दशकों पहले ऐसा हो रहा है, सबसे पहले 1950 के दशक में हर्टफोर्डशायर के डे हैविलैंड एयरक्राफ्ट में ये किया गया था। इस प्रक्रिया में मरी हुई मुर्गियों को काम में लिया गया था और देखा गया कि इंजन में आग तो नहीं लग रही। उस समय टेस्ट में एक मुर्गे को इंजन में डाला गया। टेस्ट सफल रहा और मुर्गा इंजन से बिना किसी परेशानी के निकल गया। इस परीक्षण के बाद मिथक फैल गया कि हवाई जहाज को टेस्ट करने के लिए मुर्गे का इस्तेमाल किया जाए।

कितने किलो के चिकन का होता है इस्तेमाल

इस प्रोसेस को करने के लिए 2 से 4 किलों चिकन का इस्तेमाल होता है। बता दें, इस टेस्ट को आज से नहीं बल्कि कई सालों से किया जा रहा है। इसके जरिए ये भी देखा जाता है कि इंजन में आग तो नहीं लग रही।

नकली पक्षी के साथ मरे हुए पक्षी भी होते हैं

एवएिशन एक्सपर्ट के अनुसार, जब भी विमान हवा की ओर जा रहा है या लैंड कर रहा है, तो इस बात का डर हमेशा रहता है कि कोई पक्षी आकर टकरा ना जाए, इससे जहाज को भी नुकसान पहुंचता है। इसलिए विमान निर्माता कंपनियां मुर्गे फेंककर उसे टेस्ट करती हैं। इसे प्रक्रिया को बर्ड कैनन कहते हैं। कई बार ये नकली पक्षी भी होते हैं या फिर मरे हुए मुर्गे भी होते हैं। ताकि इस बात का पता चला सके कि पक्षी के टकराने से फ्लाइट का इंजन काम करना बंद ना कर दे।

इतिहास — जीवनभर चले महात्मा गांधी के आदर्शों पर

एकमात्र क्रिश्चियन टीटूसजी जो दांडी यात्रा में हुए थे शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महात्मा गांधी की ऐतिहासिक दांडी यात्रा में एकमात्र क्रिस्चियन शामिल रहे, जिनका नाम थेवरतुंडिल टीटूस था। गांधीजी उन्हें प्यार से टीटूसजी कहा करते थे। नमक कानून को तोड़ने के गांधीजी ने 386 किलोमीटर दांडी यात्रा की थी, जिसमें कुल 81 सत्याग्रही शामिल थे। इनमें से एकमात्र क्रिस्चियन टीटूसजी थे, जब भी हम अपने स्वतंत्रता क्रांतिकारियों को याद करते हैं तो इनका नाम अक्सर भूल जाते हैं।

टीटूसजी ने झेला पुलिस टॉर्चर : महात्मा गांधी की दांडी यात्रा में शामिल रहे अन्य सत्याग्रहियों की तरह टीटूसजी को भी पुलिस टॉर्चर सहने पड़े थे। उन्हें करीब 1 महीने के लिए यरवदा जेल में भी रखा गया था। टीटूसजी का जन्म केरल के मरमम गांव में एक मीडिल क्लास फैमिली में 1905 में हुआ था। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद वे स्कूल टीचर बन गए थे। लेकिन टीटूस ने जीवन का बड़ा उद्देश्य बना लिया था। जब वे 20 साल के ही थे तो हाथ में 100 रुपया लेकर उत्तर भारत की एक ट्रेन पर सवार हो गए। उन्होंने इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट ज्वाइन की। टीटूसजी यहां अपनी पढ़ाई और हॉस्टल का खर्च निकालने के लिए खेतों में काम करते थे। यहां से उन्होंने डेयरी मैनेजमेंट में डिप्लोमा किया और कैंपस की डेयरी में ही काम करने लगे।

साबरमती आश्रम पहुंचे

जब वे इलाहाबाद में काम कर रहे थे तो उनके भाई ने बताया कि महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम में एक डेयरी एक्सपर्ट की आवश्यकता है। टीटूस तब गुजरात के अहमदाबाद स्थित आश्रम में इंटरव्यू देने के लिए पहुंचे। वहां उनकी मुलाकात गांधीजी से हुई और 1929 में दिवाली के दिन उन्होंने आश्रम को ज्वाइन कर लिया। आश्रम के नियम बहुत ही सख्त थे। वहां पर कोई सैलरी नहीं मिलती थी लेकिन रहने-खाने के अलावा दो जोड़ी कपड़े जरूर मिलते थे। वे वहां पर डेयरी फार्म को देखने के अलावा अन्य लोगों की तरह सारे काम करते थे।

दांडी मार्च से जुड़े

टीटूसजी इस बात से खुश थे कि उन्हें गांधीजी की ऐतिहासिक दांडी यात्रा के लिए चुना गया था। यह विरोध ब्रिटिश हुकूमत की मोनोपाली के खिलाफ था, इस तरह से वे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गए। गांधीजी जब 1937 में केरल की अपनी यात्रा कर रहे थे वे मरमग गांव पहुंचकर टीटूसजी के पिता से भी मिले। वहीं शादी होने के बाद टीटूसजी अपनी पत्नी अन्नम्मा को कुछ दिनों के लिए आश्रम लेकर भी गए। तब गांधीजी ने इस कपल के लिए अपना रूम खाली कर दिया था। स्वतंत्रता मिलने के बाद टीटूसजी ने मध्य प्रदेश के भोपाल में कृषि विभाग का काम शुरू किया। वे जीवन भर गांधीजी के आदर्शों पर चलते रहे। 75 वर्ष की उम्र में 1980 में उनका भोपाल में ही निधन हो गया।

संक्षिप्त खबरें

महिंद्रा रिजॉर्ट्स का लाभ घटा

नई दिल्ली। महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड का सितम्बर, 2023 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 21.43 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष की इसी अवधि में 41.4 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। जुलाई-सितम्बर तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 655.27 करोड़ रुपये रही, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 598.36 करोड़ रुपये था। कंपनी का कुल खर्च भी एक साल पहले के 574.65 करोड़ रुपये से बढ़कर 636.32 करोड़ रहा।

टॉरेंट का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। फार्मा कंपनी टॉरेंट फार्मा का सितम्बर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़कर 386 करोड़ रुपये रहा है। भारत, ब्राजील और जर्मनी के परिचालन से राजस्व बढ़ने से कंपनी अमेरिकी बाजार में आई गिरावट की भरपाई करने में सफल रही है जिससे उसका मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जुलाई-सितम्बर तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 386 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के 312 करोड़ रुपये से 23.7 प्रतिशत अधिक है। तिमाही के दौरान कंपनी का राजस्व 16% बढ़कर 2,660 करोड़ हो गया।

लॉयड्स मेटल्स का लाभ बढ़ा

नई दिल्ली। लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड का 30 सितम्बर, 2023 को समाप्त दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 62 प्रतिशत बढ़कर 231.26 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक साल पहले की समान अवधि में 142.71 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा कमाया था। जुलाई-सितम्बर की अवधि में कंपनी की एकीकृत कुल आय बढ़कर 1,111.23 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 686.36 करोड़ रुपये थी।

कोयला मंत्रालय ने कबाड़ से जुटाया 28.79 करोड़

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि एक विशेष अभियान के तहत कबाड़ का निपटान करते हुए उसने 28.79 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया है।मंत्रालय ने बयान में कहा कि उसने कबाड़ का निपटारा करने के दौरान करीब 50.59 लाख वर्ग फुट जगह को भी खाली कराया है। इस अभियान के तहत 1,08,469 फाइलों की अभी तक समीक्षा की गई है और 8,088 फाइलों को नष्ट किया जा चुका है। इसके अलावा 80,305 ई-फाइलों की समीक्षा के बाद 29,993 ई-फाइलों को ऑनलाइन बंद भी किया गया है।

'रेज्यूमे' में फर्जी दावे करते हैं नौकरी तलाशने वाले 85% अभ्यर्थी

■ इससे निपटने के लिए आवेदक के व्यक्तिगत साक्षात्कार को तरजीह दे रहे हैं ज्यादातर नियोक्ता

मुंबई (भाषा)।

विभिन्न नौकरियों के आवेदनों में शैक्षणिक और अन्य दस्तावेजों के संक्षिप्त विवरण (रेज्यूमे) में झूठे दावों से बचने के लिए अब नियोक्ता भर्ती करने के लिए ज्यादातर व्यक्तिगत साक्षात्कारों को तरजीह देने लगे हैं। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

भर्ती स्वचालन और मूल्यांकन समाधान प्रदाता हायरप्रो की रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी ढूंढने वाले 85 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यार्थी अपने दस्तावेजों में गलत दावे करते है। हालांकि, एक दशक पहले यह आंकड़ा 65 प्रतिशत था।

यह रिपोर्ट 40 लाख आवेदकों के रेज्यूमे, 3,000 भर्तियों, 3,000 से ज्यादा भर्ती प्रबंधकों को शामिल करते हुए एक सर्वे और 500 कारपोरेट ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित है।

रिपोर्ट 'कृपया रेज्यूमे नहीं : कौशल-केंद्रित भर्ती के लिए मार्ग प्रशस्त करना' में कहा गया कि 70 प्रतिशत नियोक्ता रेज्यूमे देखते है लेकिन ज्यादातर लोग किसी को भर्ती करने से पहले साक्षात्कार पर निर्भर रहते है।

हायरप्रो के मुख्य परिचालन अधिकारी एस. पशुपति ने कहा, 'आज के नौकरी बाजार में भर्ती एक नए दृष्टिकोण की मांग करती है। केवल पारंपरिक बायोडाटा (व्यक्तिगत विवरण) पर निर्भर रहना एक जोखिम भरा प्रयास साबित हुआ है।' उन्होंने कहा, 'भर्ती प्रक्रिया में बायोडाटा को पीछे छोड़ते हुए, कौशल मूल्यांकन एक अधिक विश्वसनीय उपकरण बन गया है और अत्यधिक प्रभावी और कुशल दृष्टिकोण साबित हुआ है।' पशुपति ने कहा कि कौशल मूल्यांकन के माध्यम से चुने गए उम्मीदवार अपनी भूमिकाओं में अपने समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन करते है।

आइनॉक्स विंड के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने की अपील खारिज

नई दिल्ली (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने आइनॉक्स विंड के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने की अपील खारिज कर दी है। कंपनी को परिचालन के लिए कर्ज देने वाले एक ऋणदाता ने यह अपील दायर की थी।

एनसीएलएटी की तीन सदस्यसीय पीठ ने इस मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ के फैसले को उचित ठहराया है। एनसीएलटी ने इस बारे में जीआरआई टावर्स इंडिया की अपील खारिज कर दी थी।

वैश्विक सौर प्रोजेक्ट में इस वर्ष 380 अरब डॉलर निवेश संभव

सिंगापुर (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के महानिदेशक डा. अजय माथुर ने कहा कि वैश्विक सौर ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ रहा है। इस साल इसके 380 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है।

■ पिछले पूरे वर्ष में यह करीब 310 अरब अमेरिकी डॉलर था
■ इस वर्ष पहली छमाही में 235 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आया

माथुर ने सिंगापुर इंटरनेशनल एनर्जी वीक के मौके पर यह बात कही। डा. माथुर ने कहा, अच्छी बात यह है कि निवेश प्रवाह बढ़ रहा है। पिछले पूरे वर्ष में यह करीब 310 अरब अमेरिकी डॉलर था। इस वर्ष पहली छमाही में 235 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आया है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस साल यह 380 अरब डॉलर से अधिक होगा। आईएसए के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक सदस्य देश में हम सौर ऊर्जा को पसंदीदा ऊर्जा बनाएं। इस वर्ष के अंत तक आईएसए के सदस्य देशों की संख्या 116 से बढ़कर 120 हो जाएगी। उन्होंने कहा, चुनौती दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचने के वास्ते छोटे सौर संयंत्रों के लिए निवेश हासिल करने की है क्योंकि अभी तक करीब 74 प्रतिशत निवेश ओईसीडी (आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन) और चीन में बड़े पैमाने की परियोजनाओं में किया गया है।

डा. माथुर ने कहा, पूरे अफ्रीका को कुल निवेश का केवल दो से तीन प्रतिशत मिला है। दो-तिहाई निवेश बड़े सौर संयंत्रों में किया गया है, छोटी परियोजनाओं में नहीं। आईएसए के महानिदेशक ने कहा, हमें ऊर्जा भंडारण सुविधाओं के साथ-साथ सौर, पनबिजली और बैटरी सहित अन्य क्षेत्रों में बहुत अधिक निवेश करने की जरूरत है। डा. माथुर ने कहा, पश्चिम एशियाई देशों को ऊर्जा के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाते देखा गया है। उन्होंने अबू धाबी फ्यूचर एनर्जी कंपनी एमएएसडीएआर का उदाहरण दिया, जिसने 2006 में स्थापित होने के बाद से 40 देशों में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश किया है। उन्होंने कहा, हमने ओमान और सऊदी अरब में सौर ऊर्जा में नया निवेश देखा है। ये सभी आने वाले कल के नए सौर उत्पादक होंगे।

2050 तक भारत में 'एसी' के लिए बिजली की मांग 9 गुना बढ़ेगी

नई दिल्ली (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने मंगलवार को कहा कि घरेलू एयर कंडीशनर चलाने के लिए भारत की बिजली की मांग 2050 तक नौ गुना बढ़ने का अनुमान है, जो पूरे अफ्रीका की मौजूदा कुल बिजली खपत से अधिक होगी।

■ अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा, यह अफ्रीका की कुल बिजली खपत से अधिक होगी

आईईए ने अपने 'विश्व ऊर्जा आउटलुक' में कहा, भारत में अगले तीन दशक में दुनिया के किसी भी देश या क्षेत्र की तुलना में ऊर्जा मांग में वृद्धि सबसे अधिक होगी। आईईए ने घोषित नीतिगत परिदृश्यों के तहत भारत की ऊर्जा आपूर्ति 2022 में 42 एक्साजूल (ईजे) से बढ़कर 2030 में 53.7 ईजे और 2050 में 73 ईजे हो जाने का अनुमान है। वहीं घोषित प्रतिज्ञाओं के तहत इसके 2030 तक 47.6 ईजे और 2050 तक 60.3 ईजे हो जाने का अनुमान लगाया है। घोषित नीतिगत परिदृश्य के तहत तेल की मांग 2022 में 52 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) से बढकर 2030 में 68 लाख बीपीडी और 2050 में 78 लाख बीपीडी होने का अनुमान है। वहीं घोषित प्रतिज्ञाओं के तहत यह मांग 2030 में 62 लाख बीपीडी और 2050 में 47 लाख बीपीडी हो सकती है। पेरिस स्थित एजेंसी ने कहा, बिजली की खपत पर शीतलन आवश्यकताओं का प्रभाव पहले से ही स्पष्ट है। बिजली की मांग तापमान पर निर्भर करती है और भारत में इस मांग में तेजी से वृद्धि हुई है...।

'विश्व ऊर्जा आउटलुक' में कहा गया, आईईए परिदृश्यों में घरेलू एयर कंडीशनर को चलाने के लिए बिजली की मांग 2050 तक नौ गुना बढने का अनुमान है, जो टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन सहित हर अन्य प्रमुख घरेलू उपकरण की वृद्धि को पीछे छोड़ देगा। 2050 तक घोषित नीति परिदृश्य में शीतलन से आवासीय बिजली की मांग नौ गुना बढ़ जाएगी। आईईए ने कहा, 2050 तक आवासीय एयर कंडीशनर से भारत की कुल बिजली की मांग आज पूरे अफ्रीका में कुल बिजली की खपत से अधिक होगी।

नोमैड हेल्थ ने की 17 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को (आईएएनएस)। हेल्थकेयर स्टाफिंग स्टार्टअप नोमैड हेल्थ ने अपने कॉरपोरेट कार्यबल में से 17 प्रतिशत को नौकरी से निकाल दिया है, क्योंकि महामारी के बाद नर्सों और अन्य अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों की मांग कम हो गई है।

नोमैड के सह-संस्थापक और सीईओ एलेक्सी नाज़ेम ने फोर्ब्स से पुष्टि की कि कर्मचारियों की संख्या 691 से घटकर 572 हो गई है। नाज़ेम ने कर्मचारियों को ईमेल में लिखा, हेल्थकेयर स्टाफिंग बाजार मात्रा और कीमत दोनों में अनुमान से कहीं अधिक तेज गति से कम हो रहा है।

प्रभावित कर्मचारियों को न्यूनतम छह सप्ताह का मूल वेतन और एक महीने का भुगतान स्वास्थ्य बीमा कवरेज विच्छेद के रूप में मिलेगा। नोमैड कर्मचारियों को कार्यालय लैपटॉप रखने और नौकरी विस्थापन सेवाएं प्रदान करने की भी अनुमति दे रहा है।

सीईओ नाजेम ने कहा, हमने इस नतीजे से बचने के लिए बहुत कोशिश की है। हमने गैर-कार्मिक संबंधी खर्चों में कटौती की है। नोमैड प्रबंधन टीम के सभी लोगों ने वेतन में भी कटौती की है। 2015 में स्थापित अमेरिका स्थित नोमैड हेल्थ ने आज तक इक्विटी और ऋण वित्तपोषण में 200 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं। नाज़ेम ने कहा, नोमैड हेल्थ त्पूरे बाज़ार की तुलना में बहुत तेज़ी से बढा।

त्योहारों में सामान्य रखा जाएगा कोयला उत्पादन

■ इसके लिए एक खास रणनीति तैयार कर रही है सरकार

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्र सरकार त्योहारी सीजन में कोयले का सामान्य उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बना रही है। सरकार ने सोमवार को बताया कि वह कोयले की पर्याप्त उपलब्धता के लिए प्रतिबद्ध है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार कोयला मंत्रालय ने अनुबंधित कर्मचारियों को त्योहारी सीजन में ज्यादा भुगतान की रणनीति तैयार की है। इससे कोल इंडिया लिमिटेड ने महा अष्टमी को किसी भी सामान्य दिन के बराबर 21 लाख टन कोयले का उत्पादन किया।'

हाल ही में जारी हुए आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में 21 अक्टूबर तक देश में कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 12.73 प्रतिशत बढ़ा है। अक्टूबर की शुरुआत में कोयला उत्पादक राज्यों में लगातार बारिश के बाद पिछले 10 दिन में कोयला उत्पादन में उछाल आया है।

सभी स्रोतों से कुल कोयला उत्पादन पिछले 10 दिन में लगभग 26.57 लाख टन प्रतिदिन रहा है। इसमें कहा गया, 'पिछले एक सप्ताह में ताप विद्युत संयंत्र में कोयला भंडारण का रुझान बिल्कुल बदल गया है। अब कोयले की दैनिक आपूर्ति औसत खपत से अधिक है और कोयला भंडारण बढ़ रहा है।'

खुदरा निवेशक आरबीआई पोर्टल से खरीद सकेंगे फ्लोटिंग रेट बांड

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि खुदरा निवेशक उसके रिटेल डायरेक्ट पोर्टल के माध्यम से अब फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बांड, 2020 (कर योग्य) की खरीदारी कर सकते है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 नवम्बर, 2021 को आरबीआई-रिटेल डायरेक्ट योजना शुरू की थी। इस योजना ने निवेश की प्रक्रिया को सरल बनाकर सरकारी प्रतिभूतियों तक खुदरा निवेशकों की पहुंच को आसान कर दिया है।

योजना के तहत व्यक्तिगत निवेशक ऑनलाइन पोर्टल की मदद से आरबीआई के साथ एक रिटेल डायरेक्ट गिल्ट खाता खोल सकते हैं। उस खाते का इस्तेमाल करते हुए प्राथमिक और द्वितीयक बाजारों में सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश किया जा सकता है।

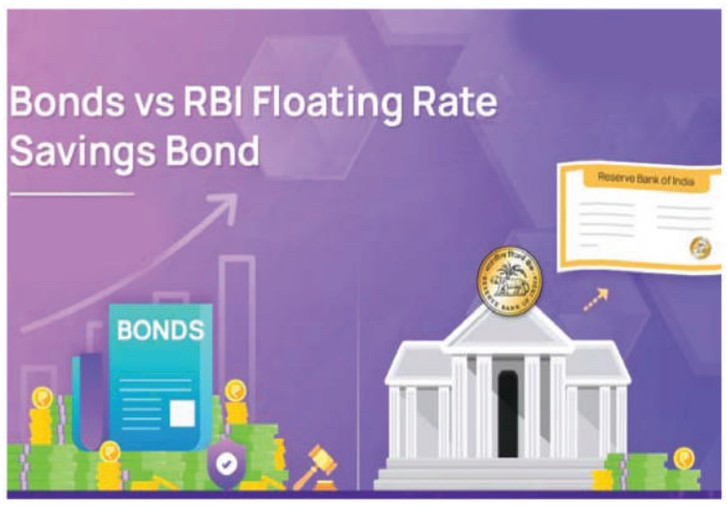

आरबीआई ने बयान में कहा, 'रिटेल डायरेक्ट पोर्टल के जरिये पेश किए जाने वाले उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार करते हुए रिजर्व बैंक ने भारत सरकार के परामर्श से फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बांड्स, 2020 (कर-योग्य) यानी एफआरएसबी 2020 (टी) की खरीद को भी सक्षम बना दिया है।'

एफआरएसबी केंद्र सरकार की तरफ से जारी होने वाले ऐसे बांड है जिनका लेनदेन नही हो सकता है। जारी होने की तारीख से सात साल बाद इनका भुगतान किया जाता है।

इससे पहले खुदरा निवेशकों को इस पोर्टल के माध्यम से केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों, ट्रेजरी बिल, राज्य सरकार की प्रतिभूतियों और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने की अनुमति थी।

भारत में लॉरियल का कारोबार 5,000 करोड़ के करीब

नई दिल्ली (भाषा)।

सौंदर्य प्रसाधन एवं देखभाल कारोबार से जुड़ी लॉरियल इंडिया की बिक्री बीते वित्त वर्ष 2022-23 में 5,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है, जो पिछले पांच साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

कारोबार आसूचना मंच टॉफलर ने लॉरियल इंडिया के वित्तीय आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय 4,993.61 करोड़ रुपये थी।

यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 3,738.69 करोड़ रुपये और 2020-21 में 2,858.37 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया था। महामारी से पहले वित्त वर्ष 2019-20 में लॉरियल इंडिया ने 3,461.41 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

इंसानी प्रजनन कोशिका 'गैमट' के आयात पर रोक

नई दिल्ली (भाषा)। मानव भ्रूण के आयात पर प्रतिबंध लगाने के आठ साल बाद सरकार ने प्रजनन कोशिका 'मानव युग्मक' (गैमट) के आयात पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने सोमवार को एक अधिसूचना में गैमट के आयात पर रोक लगाने की जानकारी दी।

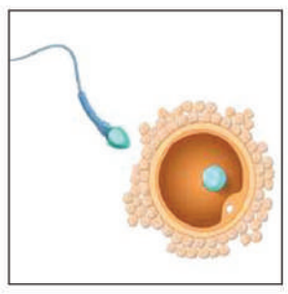

युग्मक यानी गैमट ऐसी नर या मादा प्रजनन कोशिका है जो विपरीत लिंग की कोशिका के साथ मिलकर एक नए जीव का सृजन करती है। इसके दायरे में शुक्राणु एवं अंडाणु आते है। अधिसूचना के मुताबिक अब इंसानी भ्रूण और मानव युग्मकों का आयात एआरटी (विनियमन) अधिनियम 2021 और सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021 के तहत निषिद्ध है।' एआरटी का आशय प्रजनन में मददगार प्रौद्योगिकी से है। इसकी मदद से प्रजनन की बाधाओं को दूर करने में मदद मिलती है।

एयर इंडिया की बेंगलुरु से सिंगापुर की सीधी उड़ान

बेंगलुरु (भाषा)।

एयर इंडिया ने बेंगलुरु और सिंगापुर के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू की है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि यह उड़ान सेवा 22 अक्टूबर से शुरू हुई है।

यह उड़ान एआई 392 बेंगलुरु से रात 10.30 बजे प्रस्थान कर सिंगापुर अगले दिन तड़के 5.40 बजे पहुंचेगी। वहां से वापसी उड़ान एआई 393 सुबह 6.40 बजे चलकर बेंगलुरु में 8.35 बजे (सभी स्थानीय समय) पहुंचेगी। यह उड़ान एयरबस ए321 विमान द्वारा संचालित की जाएगी। इसमें 170 'इकोनॉमी' और 12 'बिजनेस' श्रेणी की सीटें होंगी।

उड़ान का परिचालन सप्ताह में चार दिन सोमवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार और रविवार को किया जाएगा। कंपनी ने बयान में कहा कि नए संपर्क से दोनों शहरों के बीच पर्यटन और कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और इससे यात्रियों, विद्यार्थियों और कारोबारियों को मदद मिलेगी। एयर इंडिया ने मुंबई से सिंगापुर के बीच उड़ानों के फेरे सप्ताह में सात से बढ़ाकर 13 कर दिए है।

पायलट प्रशिक्षण संस्थान का परिचालन निलंबित

मुंबई (भाषा)।

पायलट प्रशिक्षण संस्थान रेडबर्ड फ्लाइट ट्रेनिंग एकेडमी में एक सप्ताह में दो विमान हादसों के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने संस्थान के सभी केंद्रों का परिचालन निलंबित कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि संस्थान की महाराष्ट्र के बारामती में स्थित इकाई में हुए हादसों में देखभाल और परिचालन संबंधी खामी का संकेत मिला है।

संचालन बहाल करने की अनुमति देने से पहले डीजीसीए रेडबर्ड के प्रशिक्षक व परीक्षकों के लिए विशेष रखरखाव ऑडिट और दक्षता जांच भी कर रहा है। अधिकारी ने बताया कि एक हादसे में तो चालक दल के सदस्य को चोट भी आई है। दोनों हादसे 19 और 22 अक्टूबर को हुए।

सर्दियों में 8% ज्यादा उड़ानें संचालित करेंगी घरेलू एयरलाइंस

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय विमानन कंपनियां उड़ानों की बढ़ती मांग को देखते हुए आने वाली सर्दियों में प्रति सप्ताह 23,732 उड़ानें संचालित करेंगी, जो पिछले साल से आठ प्रतिशत अधिक है।

विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने अनुसूचित एयरलाइंस के लिए उड़ानों के शीतकालीन कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। शीतकालीन सत्र 29 अक्टूबर से अगले साल 30 मार्च तक चलेगा।

हालांकि इस उड़ान कार्यक्रम में दिवाला समाधान प्रक्रिया का सामना कर रही गो फर्स्ट शामिल नहीं की गई है। उसकी उड़ानें तीन मई से ही बंद है और अभी दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सोमवार को कहा कि शीतकालीन सत्र, 2023 के दौरान 118 हवाईअड्डों से प्रति सप्ताह 23,732 उड़ानें भरी जाएंगी। पिछले साल शीतकालीन सत्र में 106 हवाईअड्डों से प्रति सप्ताह 21,941 उड़ानों का संचालन हुआ था। इस तरह साप्ताहिक उड़ान संख्या के मामले में इस साल 8.16 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

ग्रीष्मकालीन सत्र, 2023 में देश के 110 हवाईअड्डों से 22,907 साप्ताहिक उड़ानें संचालित हो रही थीं। शीतकालीन उड्डयन सत्र में सबसे ज्यादा 13,119 घरेलू उड़ानें इंडिगो संचालित करेगी जो सालाना आधार पर 30.08 प्रतिशत अधिक है। वहीं एयर इंडिया सालाना आधार पर 18.94 प्रतिशत ज्यादा 2,367 उड़ानें संचालित करेगी।

मुंबई में डी कॉक और क्लासन का कहर

आईसीसी वनडे वर्ल्डकप: धमाकेदार जीत के साथ साउथ अफ्रीका बना नंबर-2, बांग्लादेश को 149 रनों से रौंदा

डी कॉक ने खेली 174 रनों की विस्फोटक पारी, क्लासन ने भी जड़े 90 रन

142
रनों की साझेदारी की डी कॉक और क्लासन ने

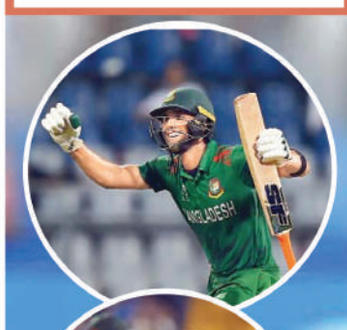

डी कॉक

174	रन
140	गेंद
15	चौके
07	छक्के

क्लासन

90	रन
49	गेंद
02	चौके
08	छक्के

डी कॉक और क्लासन की विस्फोटक पारियां

मजबूत शुरुआत के बाद ओपनर क्विंटन डी कॉक ने क्लासन के साथ शतकीय साझेदारी करके टीम का स्कोर 382 रन तक पहुंचाया। टीम ने 31वें ओवर में कप्तान एडन मार्करम 60 का विकेट गंवाया। उसके बाद डी कॉक ने हेनरिक क्लासन के साथ 142 रन की साझेदारी की। यहां डी कॉक 174 रन बनाकर आउट हुए। डी कॉक के आउट होने के बाद क्लासन और मिलर ने 25 बॉल पर आतिशी 65 रन बनाए। क्लासन 90 रन बनाकर आउट हुए, जबकि डेविड मिलर 15 बॉल पर 34 रन पर नाबाद रहे। टीम ने आखिरी 31वें से 50 ओवर के बीच 217 रन बनाए और 3 विकेट भी गंवाए।

इस वर्ल्डकप के टॉप-3 बड़े स्कोर दक्षिण अफ्रीका के ही नाम

428/5	Vs श्रीलंका, दिल्ली
399/7	Vs इंग्लैंड, मुंबई
382/5	Vs बांग्लादेश, मुंबई

350+ का स्कोर साउथ अफ्रीका ने 8वीं बार बनाया

साउथ अफ्रीकी टीम ने वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा 8वीं बार 350+ का स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से ओपनर क्विंटन डी कॉक ने 174, कप्तान एडन मार्करम ने 60 और हेनरिक क्लासन ने 90 रन की पारी खेली। हसन महमूद को 2 विकेट मिले। वहीं मेहदी हसन मिराज, शोरिफुल इस्लाम, शाकिब अल हसन को एक-एक विकेट मिले।

बांग्लादेश सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर

महमूदुल्लाह का शतक बेकार, यानसन ने लिए लगातार 2 बॉल पर 2 विकेट

मुंबई ■

साउथ अफ्रीका ने आईसीसी वनडे वर्ल्डकप 2023 के 23वें मुकाबले में बांग्लादेश को 149 रन से रौंद दिया है। टीम से क्विंटन डी कॉक ने 174 रन की पारी खेली, वहीं बांग्लादेश की ओर से महमूदुल्लाह ने सेंचुरी लगाई। दोनों खिलाड़ियों का वर्ल्डकप में तीसरा शतक रहा।

बांग्लादेश पर जीत से साउथ अफ्रीका पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर पहुंच गई। टीम ने 4 ही मैच जीतने वाली न्यूजीलैंड टीम को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। दोनों टीमों के 8-8 पॉइंट्स हैं, लेकिन बेहतर रन रेट के कारण साउथ अफ्रीका आगे हैं। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर 50 ओवर में 5 विकेट पर 382 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 46.4 ओवर में 233 रन ही बना सका। अफ्रीकी टीम की ओर से ओपनर डी कॉक के अलावा कप्तान मार्करम ने 60 और हेनरिक क्लासन ने 90 रन की पारी खेलीं, जबकि मिलर ने 34* रन बनाए। गेंदबाजों में मार्को यानसन ने दो विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

साउथ अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
क्विंटन डिकॉक कै.नासुम बो.महमूद	174	140	15	7
रीज़ा हेंड्रिक्स बो.शोरिफुल इस्लाम	12	19	1	0
रासी वान दर दुसें पगबाधा बो.मिराज़	1	7	0	0
मारक्रम कै.लिटन बो.शाकिब	60	69	7	0
क्लासन कै.महमूदउल्लाह बो.महमूद	90	49	2	8
डेविड मिलर नाबाद	34	15	1	4
मार्को यानसन नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्त: 10, **कुल**: 50 ओवर में 382/5, **विकेट पतन**: 1-33, 2-36, 3-167, 4-309, 5-374, **गेंदबाज़ी**: मुस्तफ़िज़ुर रहमान 9-0-76-0, मेहदी हसन मिराज़ 9-0-44-1, शोरिफ़ुल इस्लाम 9-0-76-1, शाकिब अल हसन 9-0-69-1, हसन महमूद 6-0-67-2, नासुम अहमद 5-0-27-0, महमुदउल्लाह 3-0-20-0.

बांग्लादेश	रन	गेंद	4	6
तंज़िद हसन कै.क्लासन बो.मार्को	12	17	1	0
लिटन दास पगबाधा बो.रबाडा	22	44	3	1
नजमुल शान्तो कै.क्लासन बो.मार्को	0	1	0	0
शाकिब कै.क्लासन बो.विलियम्स	1	4	0	0
रहीम कै.सब. बो.कोएत्ज़ी	8	17	1	0
महमुदउल्लाह कै.मार्को बो.कोएत्ज़ी	111	111	11	4
मेहदी हसन कै.सब. बो.महाराज	11	19	1	0
नासुम अहमद कै.एंड बो.कोएत्ज़ी	19	19	3	0
हसन महमूद कै.कोएत्ज़ी बो.रबाडा	15	25	2	0
मुस्तफ़िज़ुर कै.मिलर बो.विलियम्स	11	21	2	0
शोरिफ़ुल इस्लाम नाबाद	6	4	1	0

अतिरिक्त: 17, **कुल**: 46.4 ओवर में 233 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन**: 1-30, 2-30, 3-31, 4-42, 5-58, 6-81, 7-122, 8-159, 9-227, 10-233, **गेंदबाज़ी**: मार्को यानसन 8-0-39-2, लिज़ाड विलियम्स 8.4-1-56-2, जेराल्ड कट्ज़ी 10-0-62-3, कगिसो रबाडा 10-1-42-2, केशव महाराज 10-0-32-1.

नीदरलैंड्स के खिलाफ आज जीत की हैट्रिक लगाने उतरेंगे कंगारू

नई दिल्ली। बल्लेबाजों के लय में आने से उत्साहित ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी वनडे वर्ल्डकप में बुधवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर पैट कमिंस की टीम की कोशिश एक और प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ जीत की लय को जारी रखने की होगी। पांच बार की चैंपियन टीम ने टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद श्रीलंका और पाकिस्तान पर आसान जीत के साथ शानदार वापसी की है।

ऑस्ट्रेलिया को उलटफेर से भरे इस टूर्नामेंट में द.अफ्रीका के खिलाफ प्रभावशाली जीत दर्ज करने वाली नीदरलैंड्स के खिलाफ सतर्क रहना होगा। अरुण जेटली स्टेडियम की पिच वैसे तो धीमी मानी जाती है, लेकिन इस वर्ल्डकप में यहां खूब रन बन रहे हैं। श्रीलंका और साउथ अफ्रीका के मैच में यहां 750 से ज्यादा रन बने थे।

मौसम का हाल

दिल्ली में बुधवार को मौसम पूरी तरह साफ रहने की उम्मीद है। दिन में अधिकतम तापमान 31 डिग्री तक जा सकता है। हालांकि शाम होने पर मौसम में ठंडक आ जाएगी। यही वजह है कि फैंस को पूरा मुकाबला देखने को मिलेगा।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरुन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोनिस, डेविड वार्नर, एडम जम्पा, मिशेल स्टार्क।

नीदरलैंड्स स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओडोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामानुरू, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रोलोफ वान डेर मर्व, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, रेयान क्लेन, वेस्ली बारेसी, साकिब जुल्फिकार, शारिज अहमद और साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट।

वर्ल्डकप काउंटर

बाउंड्री मीटर

छक्के 302

चौके 1092

सर्वाधिक रन

खिलाड़ी	टीम	रन
क्विंटन डी कॉक	द.अफ्रीका	407
विराट कोहली	भारत	354
रोहित शर्मा	भारत	311

सर्वाधिक विकेट

खिलाड़ी	टीम	विकेट
मिचेल सैंटनर	न्यूजीलैंड	12
जसप्रीत बुमराह	भारत	11
दिलशान मदुशंका	श्रीलंका	11

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
भारत	5	5	0	10	1.353
द. अफ्रीका	5	4	1	8	2.370
न्यूजीलैंड	5	4	1	8	1.481
ऑस्ट्रेलिया	4	2	2	4	-0.193
पाकिस्तान	5	2	3	4	-0.400
अफगानिस्तान	5	2	3	4	-0.969
नीदरलैंड्स	4	1	3	2	-0.790
श्रीलंका	4	1	3	2	-1.048
इंग्लैंड	4	1	3	2	-1.248
बांग्लादेश	5	1	4	2	-1.253

मैक्लोडगंज में दलाईलामा से मिले कीवी टीम के खिलाड़ी

शिमला ■

हिमाचल के धर्मशाला में विश्वकप मैच खेलने आई न्यूजीलैंड की टीम ने मंगलवार को तिब्बती अध्यात्मिक गुरु दलाईलामा से मुलाकात की। मुख्य बौद्ध मंदिर मैक्लोडगंज में टीम के खिलाड़ी कप्तान टॉम लैथम के नेतृत्व में पहुंचे थे। इस दौरान दलाईलामा ने खिलाड़ियों के साथ हल्की-फुल्की बातचीत भी की। दलाईलामा से मिलने के बाद खिलाड़ी फिलहाल अपने होटल में वापस चले गए। दोपहर में न्यूजीलैंड की टीम ने स्टेडियम में वर्कआउट किया।

उधर, भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और ईशान किशन मंगलवार सुबह ही होटल से निकल गए थे। उन्होंने मॉर्निंग वर्कआउट मैक्लोडगंज के धर्मकोट में किया। न्यूजीलैंड टीम अभी 28 अक्टूबर तक धर्मशाला में ही रहेगी।

दक्षिण भारत के 'कश्मीर' में होने वाली बर्फबारी का उठाएं लुत्फ, जिंदगी भर याद रहेगा एक्सपीरियंस

जब भी साउथ-इंडिया में घूमने का जिक्र किया जाता है, तो लोग सबसे पहले केरल, कर्नाटक या फिर तमिलनाडु का नाम लेते हैं। बता दें कि दक्षिण भारत में मौजूद आंध्र प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहां पर घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। सभी सैलानियों के लिए आंध्र प्रदेश की खूबसूरती और यहां मौजूद कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन बेहद ही खास है। लेकिन अगर आप भी इस बार दक्षिण भारत घूमने का प्लान बना रहे हैं और बर्फबारी देखना चाहते हैं। तो आज हम आपको आंध्र प्रदेश में घूमने वाली कुछ बेहतरीन और अद्भुद जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लांबासिंगी– बता दें कि आंध्र प्रदेश में लांबासिंगी/लम्बसिंगी उन चुनिंदा हिल स्टेशन में से एक है। जहां पर अधिक संख्या में सैलानी घूमने के लिए पहुंचते हैं। बता दें कि इस हिल स्टेशन को आंध्र प्रदेश का 'कश्मीर' भी कहा जाता है। विचित्र घाटियों और ठंडे तापमान के साथ, दक्षिणी क्षेत्र में लम्बासिंगी एकमात्र जगह है जहां बर्फबारी होती है। यह छोटा सा गांव सुन्दर सफेद धुंद से ढका हुआ होता है। ऐसे में अगर आप भी आंध्र प्रदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको सबसे पहले इस जगह पर आना चाहिए। इसके अलावा आप यहां पर घाट रोड़, कोंडाकरला पक्षी अभ्यारण्य, थाजंगी जलाशय और अन्नावाराम मंदिर जैसी बेहतरीन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

नल्लमला हिल्स– इसके अलावा आप प्रदेश में नल्लमला हिल्स स्टेशन को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। पूरे दक्षिण-भारत में यह स्थान सुगम्य वातावरण और मनमोहक दृश्यों के लिए फेमस है। जनवरी से लेकर मार्च के शुरूआती दिनों में नल्लमला हिल्स स्टेशन का मौसम एकदम सुहावना होता है। इसलिए यहां पर भारी संख्या में सैलानी घूमने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा आप यहां पर जंगल सफारी और ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

अरकू वैली– अद्भुद और बेहतरीन वैली सिर्फ हिमाचल व उत्तराखंड में ही नहीं, बल्कि आंध्र प्रदेश में भी मौजूद है। विशाखापत्तनम जिले में स्थित अरकू वैली अपने अद्भुत दृश्व और शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है। इस हसीन वैली में घूमने के बाद आप अन्य वैली को भूल जाएंगे। अरकू वैली में मौजूद ट्राइबल म्यूजियम, बॉटनिकल गार्डन, भीमुनिपटनम और बोर्रा गुफा जैसी बेहतरीन जगहों को दोस्तों के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके साथ ही आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटीज का भी मजा उठा सकते हैं।

पापीकोंडालू– इसके अलावा आंध्र प्रदेश में स्थिति पापीकोंडालू बेहद खूबसूरत होने के साथ बेहतरीन पर्वत श्रृंखला भी है। आंध्र प्रदेश के साथ-साथ पूरे दक्षिण-भारत में यह स्थान नयनसुख के नाम से जाना जाता है। गोदावरी नदी के किनारे स्थित होने के वजह से यह जगह भारत के सैलानियों के लिए बेहद ही खास हिल स्टेशन है। पापीकोंडालू की हसीन वादियों में मौजूद पत्तिसीमा नदी द्वीप, पापिकोंडा नेशनल पार्क और किन्नरसानी वन्यजीव अभयारण्य जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप बोटिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

एशियाई पैरा खेल भारत की झोली में आए और चार स्वर्ण सहित 17 पदक, शरत शंकरप्पा और नीरज ने भी बिखेरी चमक

पैरा गेम्स में प्राची और दीप्ति को स्वर्णिम सफलता

हांगझोउ ■

चीन में चल रहे एशियाई पैरा खेलों में भारत ने प्राची यादव के कैनो महिला केएल 2 स्पर्धा का स्वर्ण और दीप्ति जिवांजी ने महिलाओं की 400 मीटर-टी20 में स्वर्ण, शरत शंकरप्पा मकनहल्ली (पुरुष टी13 5000 मीटर) और नीरज यादव (पुरुष एफ54/55/56 चक्का फेंक) सहित मंगलवार को 17 पदक जीते है।

एथलीट प्राची यादव ने पैरा कैनो महिला केएल2 स्पर्धा में 54.962 समय के साथ भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। पदक और गजेंद्र सिंह ने कैनो पुरुष वीएल2 में कांस्य पदक जीता है। दीप्ति जिवांजी ने महिलाओं की 400 मीटर-टी20 में 56.69 के समय के साथ एक नया एशियाई पैरा रिकॉर्ड बनाते हुए भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। वहीं दिन में अजय कुमार ने पुरुषों की टी 64 400 मीटर में रजत पदक जीता। उन्होंने 54.85 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकाला और वह सऊदी अरब के आसन नूर से कुछ सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने 52.81 सेकंड दर्ज कर स्वर्ण पदक जीता। इस बीच महिलाओं की टी12 100 मीटर में सिमरन कौर ने 12.68 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता।

अन्य मुकबले में शरत शंकरप्पा मकनहल्ली (पुरुष टी13 5000 मीटर) और नीरज यादव (पुरुष एफ54/55/56 चक्का फेंक) स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा एकता भ्याण एथलेटिक्स महिला क्लब थ्रो एफ32/51 में कांस्य पदक, गजेंद्र सिंह कैनोई पुरुष वीएल2 में कांस्य, नीरज यादव एथलेटिक्स पुरुष डिस्कस थ्रो एफ54/55/56 में स्वर्ण, योगेश कथूनिया एथलेटिक्स पुरुष डिस्कस थ्रो एफ54/55/56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार गोल्ड सहित 17 पदक जीते। इसके साथ ही अब तक देश के कुल पदकों की संख्या 34 हो गई है।

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	67	53	45	165
ईरान	16	19	12	47
जापान	12	13	20	45
उजबेकिस्तान	12	12	14	38
भारत	09	12	13	34
थाईलैंड	08	07	11	26
कजाकिस्तान	05	06	10	21
मलेशिया	04	06	06	16
इंडोनेशिया	03	05	07	15
दक्षिण कोरिया	02	04	05	11

पीएम मोदी ने पदक विजेताओं को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एशियाई पैरा खेल में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई श्रृंखलाबद्ध पोस्ट के जरिए एशियाई पैरा खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके बेहर भविष्य की कामना की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की पैरा कैनो केएल3 स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन और कांस्य पदक जीतने के लिए मनीष कौरव को बधाई। यह बेहद उत्कृष्ट उपलब्धि है, जो उनके विशुद्ध समर्पण का परिणाम है! एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, महिलाओं की पैरा कैनो केएल2 स्पर्धा में गौरवपूर्ण स्वर्ण पदक जीतने पर प्राची यादव को बधाई। यह ऐसा असाधारण प्रदर्शन था, जिसने भारत को गौरवान्वित किया। भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने पोस्ट किया, महिलाओं की 100 मीटर टी12 स्पर्धा में सिमरन वत्स को एक अछूत रजत पदक। इस शानदार जीत पर उन्हें बधाई। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन उनके समर्पण और प्रतिभा का प्रमाण है। एक उल्लेखनीय जीत। पैरा एशियाई खेलों में पैरा कैनो पुरुष वीएल2 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर गजेंद्र सिंह को बधाई। भारत इस उपलब्धि की सराहना करता है! उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, दीप्ति जीवनजी का शानदार प्रदर्शन!

लोक नाट्य

कमल नारायण वर्मा

मेघनाथ खम्भ के पास नाटकीय मंचन करते हैं कोरकू

छत्तीसगढ़ के अनेक अंचलों में निवास करने वाली आदिम जातियों में कोरकुओं का भी महत्वपूर्ण स्थान है। यह रायगढ़ और जशपुर अंचल में निवास करते हैं। इनके पूर्वज उड़ीसा से आकर यहां बस गए। खासकर पहाड़ी इलाकों में ही इनका निवास होता है। इनके नाट्य शैली के विविध रूपों में पारडी, झेरी और खंभ मुख्य स्थान रखते हैं। यह जाति अपनी आजीविका के लिए जहां निवास करते हैं वहां मेघनाथ खम्भ स्थापित करते हैं। घुमंतू होने के कारण कभी कभी जहां पर इनका स्थाई निवास नहीं होता, वहां अस्थाई खम्भ बनाते हैं। कोरकू हर वर्ष क्वांर माह नवरात्रि से प्रारंभ कर देव उठनी एकादशी तक अपने द्वारा स्थापित खम्भ के आसपास नाटकीय मंचन को स्वरूप प्रदान करते हैं। यह नाट्य आयोजन पूरी रात होती है तथा अंत में गुड़ और नारियल का प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन करते हैं। इनकी धार्मिक मान्यता है कि रावण के पुत्र मेघनाथ ने इनके पूर्वजों को संरक्षण प्रदान किया था। आज भी इनके आयोजन के समय उत्साह में किसी प्रकार की कमी नहीं देखी जाती।

पुस्तक समीक्षा

रहस

कृति के नाव	रहस
कृतिकार	डा. उग्रसेन कन्नौजे
समीक्षक	कमलेश यादव
प्रकाशक	प्रभाश्री प्रकाशन इलाहाबाद
मूल्य	छैः सौ रूपया

छत्तीसगढ़ के जुन्ना लोक नाट्य परंपरा के सुघ्घर रूप आय रहस। ऐमा मनोरंजन के संग धार्मिक प्रवृत्ति के पूरा समावेश रहिथे। कतको दसक तक रहस कला के भरपूर आनंद दर्शक मन लेवत रिहिन हे। अतका सुघ्घर रहस के परंपरा अब विलुप्त होय के कगार में हे। ऐकर विलुप्त होय के कतको कारण हो सकत हे,ऐला अपन किताब के माध्यम ले जीवंत बनाए म कोनो कमी नी करे हे कृतिकार उग्रसेन कन्नौजे हा। आप मन ऐ कृति म रहस के उदभव व विकास, रहस योजना, गीत एवं संवाद, आंचलिकता की विवेचना, कला पक्ष की विवेचना अउ कलाकारों का परिचय शीर्षक के माध्यम ले रहस के पूरा इतिहास ल रखे म कोनो कमी नी करे हव। भविष्य में हो सके रहस फेर कला जगत में कदम रखे, वो बेरा ऐ किताब के बड़ उपयोगिता साबित होगी, संगे संग रहस के कोनो भी जानकारी होवय, ऐ किताब के माध्यम ले जन समक्ष हवय, जेकर हम सब लाभ लेवन।

बस्तर अंचल में रामलीला आयोजन के पूर्व देव बिठाया जाता है और ग्राम देवता से अनुमति मिलने के बाद ही रामलीला का मंचन किया जाता है। कहीं-कहीं रामलीला मंच में शीतला माता के प्रतीकात्मक स्वरुप को स्थापित किया जाता है। रामलीला आरंभ करने के पूर्व मुखौटा आदि साजो सामान की पूजा की जाती है। सोलहवीं शताब्दी के पश्चात तुलसीकृत रामचरित मानस रामलीला का मुख्य आधार बना तथा मंचन की व्यापकता बढ़ी। इनकी भाषा स्थानीयता के आधार पर गोंडी, हल्बी या बस्तरी होती है।

अभी भी लुत्फ उठाते हैं रामलीला मंचन से बस्तरवासी

परंपराः घनश्याम नाग

बस्तर अंचल में रामलीला के इतिहास पर दृष्टि डालें तो पता चलता है कि ईस्वीं सन 1890 में लक्ष्मण दास उत्तर प्रदेश से बस्तर आए जो तपस्वी बाबा के नाम से चर्चित थे। आपने प्रबुद्ध एवं जागरुक लोगों के सहयोग से रामलीला मण्डली की स्थापना की थी। कुछ वर्षों तक रामलीला का मंचन उत्साह से किया गया किन्तु बाद में उनकी मण्डली निष्क्रिय हो गई। सन 1913 में बनारस से एक रामलीला मण्डली राजधानी जगदलपुर आई थी। मंडली ने कई दिनों तक राजमहल में रामलीला का मंचन किया। इससे प्रभावित हो कर सन 1914 में राजा रुद्रप्रताप देव ने एक रामलीला मंडली की स्थापना की। महर्षि बाल्मीकि द्वारा रचित रामायण को आधार बना कर रामलीला की शुरूआत हुई। सोलहवीं शताब्दी के पश्चात तुलसीकृत रामचरित मानस रामलीला का मुख्य आधार बना तथा मंचन की व्यापकता बढ़ी। क्षेत्र में संचालित अनेक रामलीला मंडली से संपर्क करने पर यह ज्ञात हुआ कि तुलसीदास रचित रामचरित मानस के चौपाई से उद्धृत कर रामलीला के लिए संवाद का चयन किया जाता है। मंडली का गठन करने वाला व्यक्ति ही प्रायः संचालक एवं निर्देशक होता है। व्यास गद्दी में बैठकर मंडली का संचालन करता है इसलिए व्यास भी कहलाता है। वह प्रसंगानुकूल चौपाई का पाठ करता है तथा यथा योग्य पात्रों को निर्देशित भी करता है। रामलीला के मंचन में महिलाओं की कोई भूमिका नहीं होती। सीता, मंदोदरी, सूर्पणखा आदि स्त्री पात्रों की भूमिका पुरूष ही निभाते आ रहे हैं। बस्तर अंचल में रामलीला आयोजन के पूर्व देव बिठाया जाता है और ग्राम देवता से अनुमति मिलने के बाद ही रामलीला का मंचन किया जाता है। कहीं-कहीं रामलीला मंच में शीतला माता के प्रतीकात्मक स्वरुप को स्थापित किया जाता है। रामलीला आरंभ करने के पूर्व मुखौटा आदि साजो सामान की पूजा की जाती है। ग्रामीणों में यह आशंका बनी रहती है कि किसी भी पात्र पर जादू-टोना किया जा सकता है। शीतला माता जादू-टोना के दुष्प्रभाव से कलाकारों की रक्षा करती है। जादू-टोना से संबंधित अनेक घटनाओं के किस्से भी ग्रामीण बताते हैं। इनकी भाषा स्थानीयता के आधार पर गोंडी, हल्बी या बस्तरी होती है। रामलीला में नृत्य या गीत- संगीत आदि का उपयोग न के बराबर होता है। रामबाजा (हारमोनियम) तबला और मंजीरा ही मुख्य वाद्य यंत्र होता था। बस्तर की रामलीला मंडलियों में आंचलिकता का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है।

मन को मोहते भुनभुनी जलप्रपात

पर्यटन : डा. पुष्पलता मिश्रा

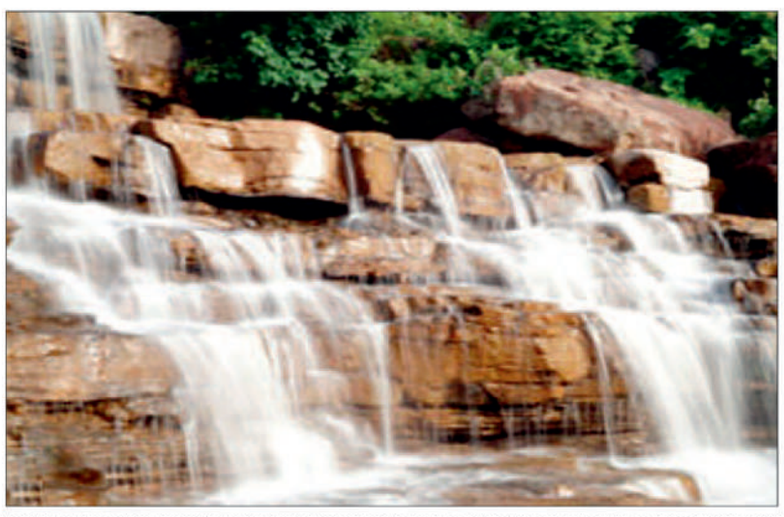

बस्तर की वादियों में जलप्रपातों की कमी नहीं हैं। घने जंगलों और पहाड़ों के बीच अनेक जलप्रपात ऐसे हैं, जहां पर पर्यटकों का पहुंचना आसान नहीं होता। खोजकर्ता किसी न किसी तरीके से दुर्लभ व कठिन रास्तों से होकर ऐसे स्थानों का पता लगा ही लेते हैं। ऐसे ही जलप्रपातों में भुनभुनी जलप्रपात है। यह स्थान तीरथगढ़ जलप्रपात से चार किमी दूरी पर है। यहां पहाड़ियों से 70 फीट की ऊंचाई से नीचे की ओर गिरता है। पानी गिरने के स्थान पर झील निर्मित हो गई है। यहां पहुंचना आसान नहीं हैं, इसलिए पर्यटक कम ही पहुंच पाते हैं। इसके साथ ही यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को देखते ही मन मोहित होने लगता है।

छत्तीसगढ़ी, गोंडी और हल्बी का पारंपरिक संबंध

लोक साहित्यः सुरेश रावल

बस्तर की हल्बी महाराष्ट्र की मराठी के समीप मानी जाती है। यह तथ्य है कि आर्य भाषा क्षेत्रों के मध्य रहकर भी अनादिकाल से गोंडी बोली जाती रही है, परंतु गोंडी और हल्बी दोनों में ही संस्कृत के मूल शब्द बदले हुए रूप में विद्यमान हैं। गोंडी के क्षेत्र में भी हल्बी संपर्क भाषा की तरह उपयोग में आती रही है। बस्तर के लगभग आधे से अधिक क्षेत्रों में गोंडी अपने विभिन्न रूपों में हैं। अबूझमाड़ में यही माड़ी है तो भोपालपट्टनम में दोरली, परजी आदि रूपों में है। जंगलों और पर्वतीय क्षेत्रों में हल्बी, भतरी का लगातार विस्तार ही हो रहा है। अब यह केशकाल के बाद विश्रामपुरी, बहीगांव, फरसगांव कांकेर की सीमा पर प्रवेश कर रही है। राजभाषा बनने के बाद अब यह अन्य लोक भाषाओं की तरह गोंडी, हल्बी, भतरी और उत्तर में सरगुजिया में उसकी सहायक भाषा के विकास के क्रम में साहित्य में स्थान बना लिया है।

सुरता : ओमप्रकाश साहू 'अंकुर'

कतको विधा के जानकार रिहिन सरोज द्विवेदी

आचार्य सरोज द्विवेदी के जनम 14 अक्टूबर 1946 म घुमका (राजनांदगांव) के ब्राह्मण परिवार म होय रहिस। द्विवेदी जी ह हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य अउ दर्शन शास्त्र म एम.ए. करे रहिन हे। शुरू म 12 बछर तक शिक्षकीय कारज करिन। फेर शासकीय सेवा ल छोड़के पत्रकारिता करिन। आचार्य सरोज द्विवेदी हिंदी साहित्य के सबो विधा म कलम चलाय के संगे संग छत्तीसगढ़ी म कविता लेखन करिन। 1983 म उंकर लघु कथा संग्रह दिल्ली ले प्रकाशित 'कलयुगी अमृत' चर्चित होइस। 80 के दशक म राजनांदगांव के कवि मन 'कवि गांव डहर' अभियान चलइन। राजनांदगांव ले प्रकाशित ख्याति प्राप्त अखबार में आपके ज्योतिष के कालम कई दसक तक चलिस। ज्योतिष क्षेत्र म ज्योतिष विशारद्, ज्योतिष भारती, ज्योतिष भूषण जइसे सम्मान आप ल मिलिस। भागवत कथा के वाचन म घलो आप ल बहुत प्रसिद्धि मिलिस। सक्रिय, सरल, सहज, सरस व्यक्तित्व के सबले बड़का उदाहरण आचार्य जी के 75 वां जनम दिवस ल अमृत महोत्सव के रूप म दू बछर पहिली मनाए गे रिहिस। द्विवेदी जी ह माता शबरी 'खंड काव्य' लिखत रहिन। संगे संग आदमी (काव्य संग्रह) प्रकाशित करे के योजना बनाय रहिन, फेर होनी ल कोन टार सकथे! द्विवेदी जी ह 4 अक्टूबर 2023 म स्वर्गवासी होगे।

गांव की कहानी

भोलाराम सिन्हा 'गुरूजी'

पश्चाताप के कारण नाम पड़ा पांहदा

धमतरी जिले के वि.ख. मगरलोड से लगभग 12 किमी दूरी पर पांहदा ग्राम स्थित है। यह ग्राम जातरा मेला के लिए काफी प्रसिद्ध है। सुरम्य वनों तथा छोटे छोटे पहाड़ियों से घिरा गांव अनेक धरोहरों को अपने में संजोए रखा है। मान्यता है कि यह गांव पहले रजवाड़ा था, जहां राजा-महाराजा निवास करते थे।

लगभग 1750 के आसपास राजा बरदेव अपने छोटे भाई राजा बाबा के साथ रहते थे। राजा पशु प्रेमी थे, जिसके कारण काफी दूध उनके राज में होता था। एक दिन यहां राज घराना के पहाड़िया बाबू ने अपनी चाची पवंई रानी से पीने के लिए दूध मांगा। रानी दूध लेने गई तो मटके में दूध न पाकर चकित होने लगी। उन्होंने उसी वक्त एक अजगर को जाते देखकर उसे पी लेने की बात सोची। पहाड़िया बाबू दूध न पाकर पंवई रानी पर क्रोधित होने लगा। इस बात पर रानी नाराज होकर जंगल की ओर चल पड़ी। पहाड़िया बाबू जंगल में घर चलने के लिए रानी को मनाने गए, पर वह नहीं मानीं। अंत में एक रेखा खींचकर रानी को घेरे के अंदर छोडकर वापस आ गया। राजा को पता चला कि रानी उसी घेरे में दफन होकर काले पत्थर सदृश हो गई। राजा इस घटना से प्रभावित होकर महल में पश्चाताप करने लगे। इस घटना के बाद कालांतर में गांव का नाम पांहदा हो गया। माना जाता है कि इस शिलाखंड के बाहर वह रेखा आज भी विद्यमान है। ठीक इसके बाजू से निरंतर जल धारा प्रवाहित हो रही है। ग्रामीण इस मूर्ति को रमई माता के नाम से पूजते हैं तथा दोनों नवरात्रि में ज्योति कलश स्थापित की जाती है। रास्ते पर गुजरने समय लोग पूजा-अर्चना के बाद ही आगे बढ़ते हैं।

भाजपा राज में लोकतंत्र कमजोर हुआ है, संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे हमले : गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में पार्टी कार्यालय समता भवन पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने नवमनोनीत प्रान्तीय सचिव खेदन यादव जी का भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह का शुभारंभ समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रजनीकांत यादव जी और उनके साथियों के स्वागत गीत से हुआ।

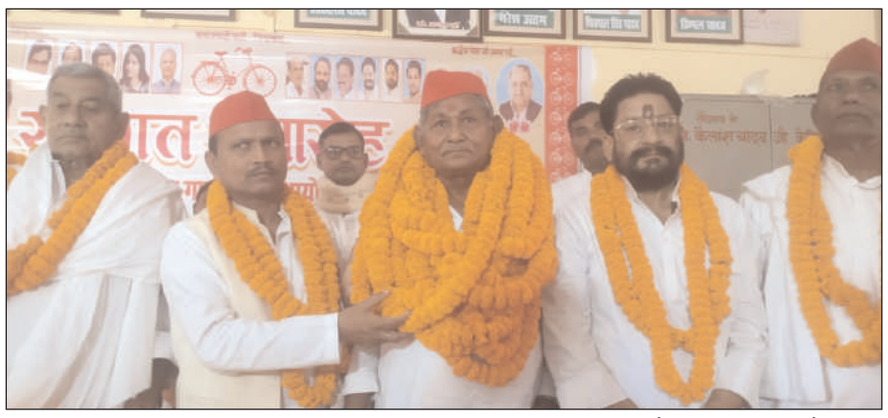

जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि खेदन जी के मनोनयन से पार्टी को मजबूती मिलेगी। और उन्होंने कहा कि यह संघर्ष का दौर है आज मुल्क खतरे में है।उन्होंने कहा कि भाजपा राज में लोकतंत्र कमजोर हुआ है । संवैधानिक संस्थाओं पर हमलें हो रहे हैं । भाजपा देश के लोकतांत्रिक प्रणाली के विरुद्ध साजिश रच रही है । जरूरत है आज संघर्ष कर इस देश की सत्ता से भाजपा को उखाड़ फेंकने की ।

विधायक जै किशन साहू ने स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने में अंधी हो चुकी है। उसे देश का गरीब नहीं दिख रहा है। वह गरीब के मुंह से निवाले और हाथ से काम छिनने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के रास्ते पर चलकर देश से गरीब विरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल करने की जरूरत है।

अपने स्वागत से अभिभूत नवमनोनीत प्रान्तीय सचिव खेदन यादव ने कार्यकताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कार्यकताओं के मान सम्मान की हर कीमत पर रक्षा करूंगा और पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शत प्रतिशत खरा उतरने का काम करूंगा।उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता सम्मान प्राप्त करने के लिए ही राजनीति करता है, पार्टी ने सम्मान दिया है अच्छा लग रहा है लेकिन सच यह है कि यह स्वागत कराने का समय नहीं बल्कि यह संघर्ष करने का समय है। उन्होंने

भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों की खिंचाई करते हुए और नौजवानो को ललकारते हुए कहा कि आज देश साम्प्रदायिक , तानाशाह और फिरकापरस्त ताकतों के चंगुल में फंस गया है,देश को उनके चंगुल से निकालने की जिम्मेदारी नौजवानों पर हैं । उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि देश का नौजवान मोदी और योगी सरकार की नौजवान विरोधी नीतियों के चलते हताश और उदास है । भाजपा सरकार के पास देश और प्रदेश के नौजवानों की खुशहाली के लिए कोई योजना नहीं है । उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों को धोखा दिया है ।उनकी जिंदगी में अंधेरा फैलाने का काम किया है । युवाओं से नौकरी देने का झूठा वादा कर उन्हें ठगने का काम किया गया । भाजपा सरकार नौकरी देने के बजाय नौकरियां छिनने का काम कर रही है । उन्होंने कहा कि यह भाजपा सरकार किसी की नहीं है । यह सरकार ने अगड़े की है न पिछड़े की है, न हिन्दू की है न मुसलमान की है । यह सरकार केवल पूंजीपतियों की है जो राष्ट्र की सम्पत्तियों को कौड़ी के दाम बेचकर उनकी और अपनी तिजोरी भरने में व्यस्त हैं । आज देश की जनता लगातार बढ़ती मंहगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त है , गरीबों के चुल्हे की आंच धीमी पड़ गयी हैं मगर यह सरकार केवल पूंजीपतियों की खिदमत में व्यस्त हैं ।

इस स्वागत समारोह में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष सुदर्शन यादव, प्रदेश कार्यकारिणी के विशेष आमंत्रित सदस्य रामधारी यादव,राधेश्याम यादव, फेंकूं यादव गांधी,रविन्द्र प्रताप यादव, रामौतार शर्मा, आत्मा यादव,अरुण कुमार श्रीवास्तव, तहसीन अहमद, राजेंद्र यादव, राजेश कुमार यादव, रीता विश्वकर्मा, गोवर्धन यादव, कमलेश यादव,डॉ समीर सिंह,चन्द्रबली यादव, कंचन रावत, रीना यादव, शिवपूजन यादव पांचू, देवेन्द्र यादव, टिंकू यादव, आलोक कुमार, रणजीत यादव, गोपाल यादव, विजय शंकर यादव, विन्ध्याचल यादव, भगवान यादव, पंकज यादव शिवकुमार यादव, नरसिंह यादव, नन्दलाल, अम्बिका यादव, आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गोपाल यादव और संचालन जिला महामंत्री कन्हैया लाल विश्वकर्मा ने किया।

भदोही में तैनात गाजीपुर के उपनिरीक्षक की सड़क हादसे में मौत

तेज रफ्तार ट्रक ने उपनिरीक्षक की बाइक में मारी जोरदार टक्कर, राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ हादसा, ट्रक छोड़कर चालक हुआ फरार

प्रखर भदोही। उत्तर प्रदेश के जनपद भदोही में बुधवार को ट्रक की चपेट में आने से उप निरीक्षक घायल हो गया। जहां बाद में उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल गोपीगंज लाया गया। जहाँ मेडिकल जांच में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलती ही पुलिस विभाग के आला अधिकारी तत्काल घटनास्थल और अस्पताल पर पहुंच गए। जनपद गाजीपुर के तुर्रा गाँव निवासी रहमतुल्लाह (52) जनपद भदोही की गोपीगंज कोतवाली में तैनात थे। उन्हें हल्का नंबर एक की जिम्मेदारी दी गई थी। सुबह वह ड्यूटी पर अपने हल्का क्षेत्र में गए हुए थे। ड्यूटी के बाद

वह वापस कोतवाली लौट रहे थे अमवा से वापस राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने उपनिरीक्ष की बाइक में टक्कर मार दिया। जिसकी वजह से कोतवाली वापस लौट रहे उपनिरीक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी होते हुए गोपीगंज कोतवाली से पुलिसकर्मी और क्षेत्राधिकार प्रभात कुमार राय मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल से उन्हें तत्काल गोपीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां जांच के बाद बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ट्रक चालक मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया।इस घटना के बाद पुलिस विभाग में मातम छा गया सहयोगी पुलिसकर्मी भी उप निरीक्षक की मौत से दुःखी हो गए। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना की सूचना परिजनों को गाजीपुर भेजी गई है। ट्रक चालक हाथ नहीं लगा है। क्योंकि घटना के बाद वह तुरंत ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

विश्वामित्र खंड काव्य के लोकार्पण अवसर पर हुआ सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन

प्रखर विरनो गाजीपुर। प्रगतिशील रचनाकार मंच के तत्वाधान में आजाद इंटर कॉलेज रामपुर फत्तेपुर के सभागार में वरिष्ठ कवि सूरज पांडेय प्रभाकर द्वारा रचित प्रथम खंडकाव्य विश्वामित्र के विमोचन समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि कामेश्वर द्विवेदी एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी जनार्दन राम ने संयुक्त रूप से विश्वामित्र काव्य खंड का विमोचन किया। इस मौके पर अतिथि द्वय ने कहा कि विशुद्ध रूप से ग्रामीण अंचल मे निवास करने वाले कवि सूरज पांडेय ने अपनी उम्र के आठवें दशक में पहुंचकर काव्य खंड की रचना कर के यह साबित कर दिया है कि किसी भी व्यक्ति को अपने जीवन में कर गुजरने के लिए उम्र का कोई प्रतिबंध नहीं होता। वे युवा कवियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं पेशे से शिक्षक रहे मृदुभाषी व्यवहार कुशल

मिलनसार स्वभाव के सूरज पांडेय प्रभाकर को बचपन से साहित्य के प्रति गहरा लगाव था। इस अवसर पर कवि सम्मेलन भी आयोजित हुआ। जिसमें कवि विजय कुमार मधुरेश, गोरखपुर से पधारी प्रसिद्ध कवयित्री कमलेश मिश्रा ने अनेक मुक्तक गीत गजल प्रस्तुत कर के कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान की कामेश्वर द्विवेदी, दिनेश चंद्र शर्मा (रवि) हरिनारायण बेसुध, सुदर्शन चिराग, प्रीतम अमृता, दूधनाथ भारती ने कविता प्रस्तुत करके काफी देर तक श्रोताओं को बांधे रखा।अंत में उपस्थित मंचासीन अथियो और कवियों को अंगवस्त्र कलम और डायरी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुजूर यादव, रामनिवास यादव, अशोक यादव, वीरेंद्र राम,अंगद यादव, संतोष कुमार यादव, आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता प्रधानाचार्य रामबदन यादव व संचालन सुरेश राय एवं विजय कुमार मधुरेश ने संयुक्त रूप से किया। अंत में कवि सूरज पांडेय प्रभाकर ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृषि विज्ञान केंद्र, आंकुशपुर में २१ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रखर गाजीपुर। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, आंकुशपुर, गाजीपुर में मशरूम उत्पादन तकनिकी एवं प्रबन्धन विषय पर २१ दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण 03 अक्टूबर से शुरू होकर 25 अक्टूबर तक चला। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में करंडा, रेवतीपुर, कासिमाबाद, भदौरा, बाराचवर, मुहम्मदाबाद ब्लॉकों से चयनीत १५ प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया। इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों ने विभिन्न प्रकार के मशरूम के उत्पादन की तकनीकी से लेकर इसे बाजार में बेचने तक की संपूर्ण जानकारी हासिल की, इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ. जे.पी. सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों के लिए मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में उनकी दक्षता को बढ़ाएगा तथा आने वाले समय में प्रशिक्षणार्थि मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में स्वरोजगार के द्वारा अच्छा मुनाफा भी कमा सकते है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. शशांक शेखर ने कहा कि यह प्रशिक्षण किसान एवं बेरोजगार युवाओं के लिए एक व्यावसायिक प्रशिक्षण है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थि अपने-अपने घरों में उपलब्ध संसाधन के अनुरूप मशरूम उत्पादन इकाइयां स्थापित कर सकते है तथा भविष्य में भी आवश्यकता अनुसार आपको तकनीकी सहयोग कृषि विज्ञान केंद्र, आंकुशपुर के माध्यम से मिलता रहेगा। केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. शशांक सिंह ने कहा कि मशरूम उत्पादन में उत्तर प्रदेश भारत में सातवें स्थान पर है जिसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि बेरोजगार युवाओ के लिए इस व्यवसाय में रोजगार के व्यापक अवसर हैं। प्रशिक्षण के उपरांत प्राप्त की जानकारी का उपयोग करके प्रशिक्षणार्थि स्वयं अपना उद्यम स्थापित कर मशरूम की विभिन्न प्रजातियों का पूरे वर्ष उत्पादन कर अच्छे से अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते है।

आल इणियन फेयर प्राइज शाप शाप डीलर एसोशिएशन उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक कन्वेंशन लखनऊ में : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। आल इणियन फेयर प्राइज शाप डीलर एसोशिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने बताया कि यह ऐतिहासिक कन्वेंशन 31-10-2023को रविन्द्रालय सभागार लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री बृजेश पाठक जी उपमुख्यमंत्री होंगे। तथा तमाम विधायक गण सांसद महोदय इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश के 80000राशन डीलरो की समस्या को लेकर यह कार्यक्रम रखा गया है। उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को 300रुपए कमीशन दिया जाय।इस वर्तमान समय में देश के हर राज्य से सबसे कम कमीशन उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश हर जिलों से राशन डीलर इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।इस कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी तथा प्रदेश महासचिव अशोक सिंह लखनऊ

में है।पूरे जोर शोर इसकी तैयारी चल रही है।पहली बार उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी जी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम किया जा रहा है। वाराणसी मण्डल की बैठक के यह बात प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया।बैठक में प्रदेश सचिव अजय जायसवाल राजेन्द्र जायसवाल सुशील गुप्ता लक्ष्मी पाण्डेय प्रदेश सचिव ज्ञानधर तिवारी चंदौली अभिषेक मिश्रा जिला उपाध्यक्ष वाराणसी लक्ष्मी पाण्डेय जिला सचिव अशोक कुमार जिला संरक्षक पारस नाथ मिश्र जिला सचिव रामनारायण यादव आदि लोग उपस्थित थे।

डीएम एसपी ने बटन दबाकर किया रावण का पुतला दहन, जय श्री राम के नारों से से गूंज उठा लंका मैदान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर लंका मैदान में अति प्राचीन रामलीला कमेटी हरिशंकरी की ओर से दशहरा का पर्व परम्परागत रूप से मनाया गया। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वन्दे वाणी विनायकौ रामलीला मण्डल द्वारा रामलीला का मंचन किया गया। लंका मैदान में मंगलवार को शाम 7 बजे राम रावण युद्ध, और रावण वध का सजीव मंचन किया गया। इस मौके पर रामलीला मैदान लोगों की भीड़ से खचाखच भरा रहा। लीला का शुभारम्भ कमेटी के मंत्री ओमप्रकाश तिवारी, उपमंत्री लव कुमार त्रिवेदी द्वारा जिलाधिकारी आर्यका अखौरी को बुके देकर तथा पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह को माला पहनाकर शुरू किया गया। रामलीला में श्रीराम लक्ष्मण द्वारा खरदूषण, मेघनाद, कुंभकर्ण को मारे जाने पर ज्यौ ही युद्ध भूमि पर जाने को तैयार होता है तो नाना माल्यवंत, स्त्री मन्दोदरी, भाई

विभिषण ने समझाने की कोशिश करते हैं लेकिन अहंकार में चूर रावण किसी की बात नहीं सुनता हैं साथ ही विभिषण को भरी राजबदार में रावण लात मारकर राज्य से निष्कासित कर देता है। रावण आसुरी सेनाओं के साथ युद्ध में श्रीराम लक्ष्मण को युद्ध करने लिए ललकाराता है। उसकी ललकार सुनकर वानरों के झुण्ड के साथ श्रीराम युद्ध में आ जाते है और राम के लाख समझाने के बाद भी रावण नही मानता है। अंत में श्रीराम रावण का युद्ध शुरू होता है, राम द्वारा 30 बाणों की बौछार के बाद भी रावण जिन्दा रहता है, अंत में विभिषण ने इशारा किया कि इसके नाभि में अमृत है, विभिषण के इशारे पर श्री राम के अग्नि बाण से उसके नाभि में प्रहार करने से रावण धराशायी हो जाता है, श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण को लेकर रावण के पास राजनीतिक उपदेश ग्रहण करने के लिए जाते है। रावण ने लक्ष्मण को राजनीति शिक्षा का उपदेश देने के बाद श्रीराम का दर्शन करके श्रीराम उद्घोषण करके शरीर का त्याग कर देता है। रावण के पुतले को जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा इलेक्ट्रिक बटन दबाकर दहन किया गया। रावण के धाराशायी होने पर हर हर महादेव जय श्रीराम के नारों से पूरा लंका मैदान गूंज उठा। इस दौरान सुरक्षा के दृष्टि से चप्पे चप्पे पर पुलिस मौजूद रही। शहर भर में यातायात पुलिस बड़ी मशक्कत से पूरी तरह यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किए रही। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, एडीएम, क्षेत्राधिकारी, नगर एसडीएम तथा अन्य अधिकारी के साथ कमेटी के मंत्री ओमप्रकाश तिवारी, उपमंत्री लव कुमार त्रिवेदी, प्रबन्धक वीरेश राम वर्मा, उपप्रबन्धक मयंक तिवारी, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद के 10 शिक्षक निपुण कार्यशाला में लेंगे भाग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। बेसिक शिक्षा परिषद और मिशन शिक्षण संवाद के संयुक्त तत्वावधान में 26 व 27 अक्टूबर को कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर अलीगढ़ में राज्य स्तरीय शैक्षिक समागम निपुण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है ।कार्यशाला के मुख्य अतिथि संदीप सिंह जी बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होंगे। जिसमें प्रतिभाग व प्रस्तुतीकरण के लिए जनपद वाराणसी से 10 शिक्षक शिक्षिकाओं का चयन हुआ है। जिसमें तीन राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक व सात अन्य उत्कृष्ट शिक्षक सम्मिलित हैं । काशी विद्यापीठ के प्राथमिक विद्यालय भिटारी से रविन्द्र सिंह, प्राथमिक विद्यालय मडुवाडीह से सरिता राय है। विकास क्षेत्र पिण्डरा के प्राथमिक विद्यालय फूलपुर से राज्य अध्यापक पुरस्कार 2022 से सम्मानित डॉ कुँवर पंकज सिंह अपने विद्यालय को भव्य व दिव्य रूप देने, छात्र उपस्थिति संवर्धन, निपुण बनाने हेतु किए जा रहे सार्थक व विशिष्ट प्रयासो का प्रस्तुतीकरण देंगे।इसके अलावा अमृता सिंह मदरवां, नीलम राय मडुवाडीह, विभोर भृगुवंशी सभईपुर हरहुआ, आराधना दुबे केराकतपुर, ममता मिश्रा फरीदपुर, नीलू त्रिपाठी छितौनी, अरविंद सिंह धककलगंज, आरती गुप्ता कोटवां, कार्यशाला में भाग लेंगे और सभी अपने नवाचार, निपुण कार्ययोजना, विविध प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता के लिए जो प्रयास किये जा रहे हैं उन्हें साझा करने व अन्य शैक्षणिक मुद्दों पर चर्चा परिचर्चा करेंगे। कार्यशाला में सभी 75 जनपद से उत्कृष्ट शिक्षक शिक्षिकाएँ प्रतिभाग कर प्रस्तुतिकरण देंगी।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ अरविंद कुमार पाठक सहित समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी व जिला समन्वयक द्वारा टीम वाराणसी के सफल प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त खबरें

पारंपरिक रामलीला में राम रावण का युद्ध एवं रावण के पुतले के दहन का हुआ मंचन

प्रखर पूर्वांचल गाजीपुर। देवकली ब्लाक रामपुर- मांझा थाना के पास स्वामी सागर पोखरे पर दशहरे के दिन पारंपरिक रामलीला के मंचन की झांकी के साथ राम रावण युद्ध बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ रावण का पुतला दहन श्री राम जी के हाथों से किया गया। ग्रामीण इलाके की माताएं, बहनें, रामलीला के झांकी के दृश्य को देखकर आनंदित होती रही। कार्यक्रम के उपलक्ष्य में रामपुर मांझा बाजार में लगें दशहरे के मेले का आनंद क्षेत्रीय ग्रामीण अभिभावक बच्चों के साथ लिए जहां-जहां दुर्गा जी का पंडाल सजा था सभी लोग दर्शन किए।

सपा के चर्चित नेता एवं पुर्व प्रधान कटया परशुराम यादव जी को समाजवादी पार्टी के विधानसभा उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम के निर्देश पर विधान सभा अध्यक्ष कमांडो मनीष यादव ने चर्चित सपा नेता वरिष्ठ समाज सेवी पुर्व प्रधान कटया निवासी चेचुआपार के परशुराम यादव जी को विधानसभा उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके बाद उम्मीद जताई है कि आगामी लोग सभा चुनाव में सपा प्रत्याशी को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा करेंगे। इसके साथ ही नवनियुक्त उपाध्यक्ष के मनोनयन पर पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थकों में भारी उत्साह दिखा तथा पूर्व विधायक सहजनवां यशपाल सिंह रावत जिला उपाध्यक्ष गिरीश यादव जिला महासचिव रामनाथ यादव राजेंद्र यादव दूधनाथ मौर्य मुरारी मौर्य जयप्रकाश यादव सुशील विश्वकर्मा रामदयाल यादव सुशील राय ताज मोहम्मद मजनू प्रसन्नता जाहिर की।

आंखों की निःशुल्क जांच और चश्मा वितरण कैंप गुरुवार को होगा

प्रखर सहजनवां,गोरखपुर। पिपरौली क्षेत्र के उसका मल्हीपुर में आईजीएल के सौजन्य से दुर्गा पूजा समिति के तत्वाधान में आंखों की निःशुल्क जांच और चश्मा वितरण कैंप का आयोजन गुरुवार होना है। इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के मार्गदर्शन में तथा राज आई केयर अस्पताल के सहयोग से आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में आंखों की निःशुल्क जांच और चश्मा वितरण किया जाएगा। कैंप का आयोजन वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा के देख-रेख में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। उक्त कार्यक्रम की जानकारी आईजीएल के प्रशासनिक प्रबंधक डॉ सुनील मिश्रा ने विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

समाजसेवी ने विजय दशमी के अंतिम दिन मेले में किया प्रसाद वितरण

प्रखर गोरखपुर। खजनी तहसील अंतर्गत भदारखास महोदवा बाजार में समाजसेवी मदन लाल गुप्ता के द्वारा ग्रामीणों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। शारदीय नवरात्रि के विजय दशमी के अंतिम दिन मेले में किया प्रसाद वितरण किया गया।इस मौके पर मदनलाल गुप्ता, दीपक कसौधन ने ग्रामीणों के लिए प्रसाद सह भोजन की व्यवस्था की थी। श्री श्री दुर्गा पूजा एवं दशहरा के शुभ अवसर पर प्रदान वितरण के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में भदार खास महादेवा बाजार ग्रामीणों के लोगों ने भाग लिया। जिसमें आसपास के क्षेत्र के हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा विशेष प्रसाद भंडारा ग्रहण किया गया। राहगीर और श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर मदन लाल गुप्ता जिला कोषाध्यक्ष कोटेदार संघ गोरखपुर ने कहा कि वे सभी के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास कर रहे है। माता के अनेक कार्यकताओं गण ने चढबढ कर हिस्सा लिया श्रद्धालुगण आकाश डीजे लाइट महादेवा बाजार, रामनाथ ,झीनक रावत , राजू, अजय , हनुमान गोस्वामी , दीपू ,प्रमोद , राजकुमार , दिव्यांशु कसौधन,आदि सैकड़ों के तदाद में उपस्थित कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं